● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 143, पृष्ठ : 08, सीधी, सोमवार , 30 जून 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

योगी सरकार चलायेगी बड़ा अभियान 5

श्रेयस की वापसी अभी संभव नहीं 6

सूरत इंटरेक्टिव सेशन में 15,710 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए प्राप्त

अहमदाबाद में स्थापित होगा मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम का कार्यालय : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने तथा प्रदेश में निवेश प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम का एक कार्यालय अहमदाबाद में आरंभ किया जाएगा। मध्यप्रदेश में निवेश आकर्षित करने की पहल सूरत में रंग लाई जहां निवेशकों से 15,710 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए हैं। इन प्रस्तावों के फलीभूत होने पर 11,250 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। औद्योगिक तथा व्यापार गतिविधियों को विस्तार देने के लिए प्रक्रियाओं में सरलता, सुगमता, निष्पक्षता, पारदर्शिता और समय सीमा का पालन महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार इन सभी बिंदुओं के साथ प्रदेश में पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार

वर्ष के रूप में मनाते हुए प्रदेश भारी उद्योग, एमएसएमई सहित लघु और कुटीर उद्योगों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सूरत ऐतिहासिक रूप से देश- दुनिया में उद्योग और व्यापार का प्रमुख केंद्र रहा है। प्रदेश में निवेश और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से औद्योगिक समूहों से जुड़ाव बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा यह इन्टरैक्टिव सेशन आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर होटल मेरियट सूरत में आयोजित इन्टरैक्टिव सेशन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में राज्य के औद्योगिक विकास के दीर्घकालिक दृष्टिकोण, अधोसंरचना विस्तार और निवेशकों के लिए बनाए गए भरोसेमंद वातावरण पर प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के भौगोलिक विस्तार, औद्योगिक क्षमताओं, अधोसंरचना और नीतिगत नवाचारों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश की 39 प्रतिशत कृषि विकास दर, विभिन्न उद्योगों के लिए आवश्यक स्किलस से युक्त मानव संसाधन और पर्याप्त खनिज उपलब्धता राज्य को सभी सेक्टर्स के लिए उपयुक्त बनाते हैं। प्रदेश में वस्त्र उद्योग, फार्मास्युटिकल, स्वास्थ्य, पर्यटन सहित सभी क्षेत्रों में विस्तार की पर्याप्त संभावना है। हमारी सरकार ने संकल्प लिया है कि सब्सिडी डीबीटी के माध्यम से सीधे संबंधित के बैंक खाते में पहुंचनी चाहिए। सरकार ने छोटे और बड़े सभी कारोबारियों को उनके हक का एक-एक रुपया भेजने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात भारत ही नहीं दुनिया में सिरमौर है। उन्होंने महात्मा गांधी और सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कुछ ही वर्षों में विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में शामिल हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज सुरक्षित और समृद्ध है। अयोध्या में बना भव्य श्रीराम मंदिर, महाकाल महालोक और वाराणसी का बदला स्वरूप प्रधानमंत्री श्री मोदी की आभा का विस्तार कर रहा है। गुजरात ने ही देश को सरदार वल्लभ भाई पटेल और श्री अमित शाह जैसे विलक्षण गृह मंत्री दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात वासियों ने अपनी क्षमता, योग्यता और प्रबंधन के बलबूते पर व्यापार, उद्योग और तकनीक के क्षेत्र में श्रेष्ठता स्थापित की है। गुजरात वासियों ने देश-दुनिया में अपनी विशेष पहचान बनाई है। न्यूनतम संसाधनों में श्रेष्ठतम जीवन जीने और व्यापार-उद्योग संचालन के उनके कई उदाहरण सभी के सामने हैं।

इमरजेंसी में लोगों को प्रताड़ित किया गया, योग की भव्यता बढ़ती जा रही : पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज रेडियो शो मन की बात के 123वें एपिसोड के तहत देश को संबोधित किया। एपिसोड की शुरुआत में उन्होंने योग दिवस के बारे में बात की। उन्होंने कहा- 21 जून को देश-दुनिया के करोड़ों लोगों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में हिस्सा लिया। योग की भव्यता बढ़ती जा रही, लोग दैनिक जीवन में इसे अपना रहे।

पीएम ने कहा- इस बार हमने योग दिवस की आकर्षक तस्वीरें देखीं। विशाखापत्तनम में 3 लाख लोगों ने एक साथ योग किया। हमारे नौसेना ने जहाजों पर और जम्मू में लोगों ने दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज पर योग किया। वडनगर में 2100 लोगों ने एक साथ भुजंगासन करके रिकॉर्ड बना दिया।

पीएम ने आगे कहा- इमरजेंसी के दौर में लोगों को प्रताड़ित किया गया। अनेक लोगों

को कठोर यातनाएं दी गई। मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। उन पर ऐसे ही अमानवीय अत्याचार किए गए। आखिर में जनता की जीत हुई और आपातकाल हटा लिया गया। जनता की जीत हुई और आपातकाल लगाने वालों की हार हुई।

भारत ट्रेकोमा मुक्त हुआ- मैं आपको दो ऐसी उपलब्धियों के बारे में बताना चाहता हूं जो आपको गर्व से भर देंगी। पहली उपलब्धि स्वास्थ्य से जुड़ी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्रेकोमा मुक्त घोषित कर दिया है। यह सफलता हमारे स्वास्थ्य कर्मियों की है। आज जब हर घर नल से जल पहुंच रहा है तो ऐसी बीमारियों का खतरा कम हुआ है।

95 करोड़ लोग सरकारी योजनाओं के लाभार्थी- इंटरनेशनल लेबल ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट आई है। इसमें सामने आया है कि देश के 95 करोड़ लोग किसी न किसी सरकारी योजना का लाभ उठा रहे हैं। इन सफलताओं ने एक विश्वास दिलाया है कि आने वाले समय में भारत और सशक्त होगा। साथियों, जनभागीदारी से देश और आगे बढ़ रहा है।

कैलाश श्रद्धा का केंद्र- धार्मिक यात्राएं सेवा के अवसर का महाअनुष्ठान होती है। जितने लोग यात्रा में जाते हैं उससे ज्यादा लोग उनकी सेवा में जुट जाते हैं। लंबे समय के बाद कैलाश मानसरोवर की यात्रा शुरू हुई है।

तेलंगाना में खुला हल्दी बोर्ड मुख्यालय

अमित शाह बोले- भारत से एक अरब यूएसडी के निर्यात का लक्ष्य

तेलंगाना। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवा को निजामाबाद में हल्दी बोर्ड के राष्ट्रीय मुख्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 2030 तक हल्दी का निर्यात एक अरब डॉलर तक करने का लक्ष्य रखा है। बोर्ड हल्दी की पैकिंग, ब्रांडिंग, विपणन व निर्यात पर ध्यान केंद्रित करेगा। शाह ने कहा, हल्दी बोर्ड किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने, उनकी उपज के निर्यात के अलावा अनुसंधान व विकास की दिशा में काम करेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हल्दी-केंद्रित बोर्ड के गठन की घोषणा के लगभग 21 महीने बाद इसका उद्घाटन किया गया। किसानों की ओर से हल्दी बोर्ड की मांग लंबे समय से की जा रही थी। हमने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक अरब

डॉलर के निर्यात के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। जो (हल्दी) बोर्ड बनेगा, वह यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि हल्दी का उच्चतम मूल्य किसानों तक पहुंचे। शाह ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना में हल्दी बोर्ड स्थापित करने का वादा किया था और बाद में इस संबंध में आदेश जारी किए गए। इससे पूर्व केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी व अन्य नेताओं ने हैदराबाद के बेगमपेट हवाईअड्डे पर शाह की अगवानी की। भाजपा की तेलंगाना इकाई ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हल्दी बोर्ड की स्थापना की घोषणा की थी और अब उन्होंने किसानों से किए गए वादे के अनुसार यह सपना पूरा किया है।

पीएम मोदी ने हल्दी की फसल की गुणवत्ता सुधारने, शोध करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए 200 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। निजामाबाद में हल्दी किसानों की एक प्रमुख मांग हल्दी बोर्ड की स्थापना रही है और यह एक प्रमुख चुनावी मुद्दा भी था। निजामाबाद से भाजपा के लोकसभा सदस्य डी अरविंद, जिन्होंने हल्दी बोर्ड स्थापित करने का वादा किया था, ने 2019 के लोकसभा चुनावों में बीआरएस एमएलसी और तत्कालीन सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को हराया था।

प्रयागराज में चंद्रशेखर नजरबंद, 5 हजार समर्थकों ने किया बवाल

प्रयागराज। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा सांसद चंद्रशेखर आजाद को रविवार को प्रयागराज में हाउस अरेस्ट कर लिया गया। वह कौशांबी और करछना में हाल में हुई घटनाओं के पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने जा रहे थे। फिर वह अपने समर्थकों के साथ सर्किट हाउस में ही धरने पर बैठ गए। वहीं, हाउस अरेस्ट के विरोध में चंद्रशेखर के 5000 समर्थकों ने करछना इलाके में सड़क पर जमकर हंगामा किया। पुलिस की गाड़ियां तोड़ दीं और बसों पर पथराव कर दिया। पुलिस की 8 और बसों समेत 7 प्राइवेट गाड़ियों में तोड़फोड़ की।

भडेवरा बाजार में पुलिस और आम नागरिकों पर ईंट-पत्थर बरसाए। इससे मची भगदड़ में कई महिलाएं और बच्चों समेत 15 लोग जख्मी हो गए।

यूक्रेन पर अब तक सबसे बड़ा हवाई हमला

रूस ने 477 ड्रोन से निशाना साधा, 60 मिसाइलें दागीं

कीव। रूस ने यूक्रेन पर शनिवार रविवार की दरम्यानी रात अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। रूस ने यूक्रेन पर 477 ड्रोन और 60 मिसाइलें दागीं। यूक्रेन के एक अधिकारी ने रविवार को कहा कि रूस की ओर से की गई इस कार्रवाई से तीन साल पुराने युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों में सफलता की उम्मीदें और धूमिल हो गई हैं।

यूक्रेन की वायु सेना ने दावा किया कि रूस ने यूक्रेन पर कुल 537 हवाई हथियार दागे। जिसमें 477 ड्रोन और फर्जी हथियार तथा 60 मिसाइलें शामिल हैं। इनमें से 249 को मार गिराया गया और 226 खो गए। यूक्रेन की वायु सेना के संचार प्रमुख यूरी इहनात ने बताया कि रात में अभी तक का सबसे बड़ा हवाई हमला था। इसमें ड्रोन और विभिन्न प्रकार की मिसाइलों को शामिल किया गया। यह हमला

यूक्रेन के पश्चिमी क्षेत्र समेत पूरे क्षेत्र को निशाना बनाकर किया गया, जो अग्रिम मोर्चे से काफी दूर है।

यूक्रेन पर यह हमला रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के शुक्रवार को दिए गए उस बयान के बाद हुआ, जिसमें उन्होंने कहा था कि मॉस्को इस्तांबुल में सीधे शांति वार्ता के नए दौर के लिए तैयार है। हालांकि, युद्ध के थमने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं क्योंकि अमेरिका के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयासों में अब तक कोई सफलता नहीं मिली है।

खुरासान क्षेत्रीय गवर्नर ओलेक्सेंडर प्रोकुडिन ने कहा कि पोलैंड और उसके सहयोगी देशों ने पोलिश हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विमान भेजे हैं। ओलेक्सेंडर प्रोकुडिन ने कहा कि ड्रोन हमले में एक एफ-16 पायलट की मौत हो गई। क्षेत्रीय गवर्नर के अनुसार, चेर्कासी में एक बच्चे सहित छह लोग घायल हो गए।

यूक्रेन के सुदूर पश्चिम में ड्रोन हमले के बाद ड्रोहोबिच शहर में एक औद्योगिक इकाई में बड़े पैमाने पर आग लग गई। जिससे शहर के कुछ हिस्सों में बिजली भी गुल हो गई।

इस्तांबुल में रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के बीच हाल ही में हुई दो दौर की वार्ता संक्षिप्त रही। इसमें किसी समझौते पर पहुंचने में कोई प्रगति नहीं हुई। लंबी दूरी के ड्रोन हमलों के बाद सुलह की गुंजाइश पूरी तरह खत्म हो गई है। दोनों पक्षों के बीच घातक ड्रोन विकसित करने की होड़ ने संघर्ष को नए हथियारों के परीक्षण के मैदान में बदल दिया है।

प्रधानमंत्री जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह को वर्चुअली करेंगे संबोधित

भोपाल। पानी की हर बूंद को सहेजने के उद्देश्य से चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन और वॉटरशेड सम्मेलन सोमवार 30 जून को खंडवा में होगा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल शामिल होंगे और कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कार्यक्रम में 1518 करोड़ रुपये से अधिक के जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर मध्यप्रदेश में 3 माह के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया गया। इस दौरान जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन पर लगातार कार्य किया गया। सोमवार को अभियान के समापन कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत 578.08 करोड़ रुपये की लागत से कराए गए 57 हजार 207 जल संरक्षण कार्य, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वॉटरशेड विकास के अंतर्गत 63.46 करोड़ रुपये की लागत से 888 जल संरक्षण के कार्य, वॉटरशेड परियोजनाओं के कार्यों के प्रबंधन और अनुश्रवण के लिए वॉटरशेड वर्क मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर का लोकार्पण किया जाएगा।

आदिवासियों को लेकर शिवराज पहुंचे मुख्यमंत्री के निवास, डॉ. यादव ने सीहोर डीएफओ को हटाया

भोपाल। देवास जिले के खातेगांव के खिवनी क्षेत्र में वन विभाग द्वारा आदिवासी परिवारों के घर तोड़े जाने की घटना ने तूल पकड़ लिया है। रविवार सुबह केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं पीड़ित आदिवासी परिवारों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निवास पहुंचे। इस मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सीहोर वनमंडल के डीएफओ मगन सिंह डाबर को पद से हटा दिया। उनकी जगह अर्चना पटेल को नया डीएफओ नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार गरीबों और वंचितों के साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु में इस तरह की कोई भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई न की जाए। साथ ही दोषियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे। जानकारी के अनुसार, 23 जून को खिवनी अभयारण्य क्षेत्र में वन विभाग ने 50 से अधिक आदिवासी परिवारों के कच्चे मकानों को अतिक्रमण बताकर ढहा दिया था। इससे आदिवासी समाज में आक्रोश फैल गया था। पीड़ितों ने इस संबंध में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर न्याय की मांग की थी। रविवार को शिवराज सिंह चौहान आदिवासी परिवारों के साथ मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। इस दौरान बुधनी विधायक रमाकांत भार्गव सहित खातेगांव और इछावर क्षेत्र के आदिवासी समाज के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सभी की बात ध्यानपूर्वक सुनी और भरोसा दिलाया कि इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीहोर के तत्कालीन डीएफओ मगन सिंह डाबर को हटाकर भोपाल अटैच कर दिया गया है। खिवनी क्षेत्र इसी वनमंडल के अधीन आता है, इसलिए प्रथमदृष्टया कार्रवाई डीएफओ स्तर पर की गई है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि जरूरतमंद परिवारों को हर संभव राहत दी जाए।

An ISO 9001:2008 ISO 14001:2004 OHSAS 18001:2007 Certified www.jnctrewa.com

JAWAHARLAL NEHRU COLLEGE OF TECHNOLOGY

Approved By AICTE New Delhi & Affiliated to RGPV Bhopal, APSU Rewa

B.Tech.
- Computer Science
- Electronics & Communication
- Electrical & Electronics
- Mechanical "Engineering
- Civil Engineering
- Mining Engineering

M.Tech.
- Structure
- Thermal
- Computer Science
- Digital Communication
- High Voltage System

ITI
- Fitter
- Electrician
- COPA

DIPLOMA
- Mechanical Engg.
- Civil Engg.
- Electrical Engg.

MBA B.Pharma D.Pharma

JNCT REWA

ADMISSION Counselling OPEN 2025-26

Online Registration OPEN by DTE

नोट - काउंसलिंग एवं प्रवेश हेतु संस्था रविवार एवं अन्य अवकाश के दिनों में खुला रहेगा।

Add. Near RTO Office Crossing Ratahra Rewa 486001
Mob No. 8109412689, 9111100493, 9109918051

कलेक्टर की अध्यक्षता में प्रभावित वार्डो की बनाई जाये कमेटी : महेश

विस्थापन मुद्दे पर सभी संगठनो को एक होने की जरूरत

सिंगरौली

विस्थापित किसान समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष महेश प्रताप सिंह ने विस्थापन मुद्दे पर पत्रकारो से चर्चा करते हुए बताया कि एनसीएल दोहरी निति अपनाकर विस्थापन में भारी अनियमितता बरती जा रही है। वार्ड क्रमांक 10 मेढ़ौली के विस्थापन के दौरान एनसीएल के कई अधिकारी अपने रिस्तेदारो के नाम फर्जी मुआवजा बनाकर वितरण कर दिया गया था। जिसका विरोध करने पर एनसीएल प्रबंधन द्वारा फर्जी मुआवजा वितरण की राशि को जमा कराई गयी। लेकिन उनके ऊपर नियमानुसार विभागीय कार्यवाही करने में हिला हवाली बरती गई। इसी तरह निगाही परियोजना में भी भूमि अधिग्रहण के दौरान भी दोहरी नीति अपना कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया गया। मोरवा के विस्थापन के दौरान उससे भी ज्यादा भ्रष्टाचार होने का अंदेशा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि मुआवजा और विस्थापन दोनों अलग-अलग है। कुछ लोगों द्वारा मुआवजा के लिए मकान बनाया गया है। जिन्हें किसी तरह मुआवजा पाने की ललक लगी हुई है। जो लोग यहां मकान रहने के लिए बनाए हैं या पुस्तैनी निवासी है, उनको विस्थापन का पूरा लाभ मिलना चाहिए। विस्थापित हो रहे लोगों को प्लांट एवं मकान बनाकर दिया जाना चाहिए। क्योंकि यहां से विस्थापन के बाद एक पुस्त तो उनके समझने में लग जायेगा। बने बनाए घर उजाड़ना इतना आसान नही है, जितना एनसीएल समझ रही है। देश के विकास के लिए बिजली की

आवश्यकता है, जिसके लिए कोयला का उत्पादन होना जरूरी है, लेकिन यह नही कि किसी तरह से उजाड़ दिया जाये। उन्होंने एक सवाल के जबाब में कहा कि सभी संगठनों को एक साथ मिलकर विस्थापन मुद्दे लड़ाई लड़े तो कामयाबी मिल सकती है। श्री सिंह ने बताया कि विस्थापन के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में हर वार्ड में एक कमेटी बनाई जानी चाहिए, जिसमें सभी वर्ग के लोगों को शामिल कर विस्थापन पर निर्णय लिया जाना चाहिए। एनसीएल प्रबंधन मुआवजा के लिए बने मकानो को पहले नोटिस देकर औने-पौने दाम में किसी तरह सलटा देती है। इसके बाद विस्थापित हो रहे लोगों को गुमराह कर विस्थापन के लिए कई प्रकार से दिग्भ्रमित किया जाता है। एनसीएल के चार डायरेक्टर विभिन्न मंचो के साथ एक हाल में बैठकर बार संविधान बदलने की बात करते हैं। संविधान बार-बार नही बदलता है। जो भी निर्णय हो बंद कमरे में नही, बल्कि खुले मैदान में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोरवा के आसपास व जिला मुख्यालय के आसपास एनसीएल व शासकीय व वन भूमि खाली पड़ी है, एनसीएल चाहे तो वहां पुर्नस्थापन कर सकती है। लेकिन एनसीएल के अधिकारी पैसे की बचत कर अपने आला अधिकारी को खुश करने में लगे रहते हैं। समिति के अध्यक्ष महेश प्रताप सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 से विस्थापित किसान समाज कल्याण समिति कार्य कर रहा हैं, जो आदिवासी, हरिजन एवं पीड़ित लोगों को न्याय दिलाकर उनका हक दिलाने का कार्य करते आ रहें हैं। मेढ़ौली एवं दुद्धिचुआ विस्तार के दौरान मेढ़ौली सहित अन्य स्थानों पर विस्थापन से प्रभावित लोगों के हक दिलाया है। पत्रकार वार्ता के दौरान आदिवासी विस्थापित संघ के अध्यक्ष हीरालाल खैरवार, हरिनारायण खैरवार, वेदान्ती प्रसाद प्रजापति सहित विस्थापन समिति के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

उत्पात मचाने वाले आरोपियों को सरई पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिंगरौली। जिले के सरई थाना क्षेत्र के बरका चौकी अंतर्गत पुरानी देवसर में बीते दिनों चार उत्पातियों ने नशे में चूर होकर सड़क मार्ग पर उत्पात मचाते हुये वाहन से आने-जाने वालों को रोकना और लड़ाई-झगड़ा कर रहे थे। वायरल वीडियों के आधार पर सरई पुलिस ने आरोपियों को आज दिन रविवार को गिरफ्तार कर लिया।

सरई थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह भदौरिया से मिली जानकारी के अनुसार पुरानी देवसर का एक वीडियों वायरल हो रहा था। वीडियों के आधार पर व्यक्तियों की पहचान हृदयलाल सिंह पिता विजयबहादुर सिंह उम्र 25 वर्ष , तेजबली सिंह गोंड पिता रंगबिहारी सिंह उम्र 25 वर्ष दोनों निवासी बहेरहाडांड़ चौकी बरका, जगलाल सिंह पिता जगजाहिर सिंह उम्र 30 वर्ष, बृजेन्द्र कोल

पिता रामप्रताप कोल उम्र 35 उम्र दोनों निवासी कुकरावं चौकी तिनगुड़ी थाना सरई के रूप में हुई, जिनसे पूंछतांछ की गई। उक्त चारो आरोपियों ने बताया कि सरई बाजार में पल्लेदारी का काम करते है, जो पल्लेदारी करके वापस घर लौट रहे थे, शराब पिये हुए थे व रास्ते में आपस में झगड़ा विवाद करने लगे थे तथा लड़ाई-झगड़ा के दौरान आने-जाने वाले वाहनों को रोकने लगे थे। उनके द्वारा किसी भी वाहन चालकों से लूटपाट नही की गई है। उक्त के सम्बंध में किसी के द्वारा कोई शिकायत-आवेदन नही दिया गया है। पुलिस द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही कर चारों आरोपीगणों को गिरफ्तार किया गया है।

पिपरवान से पकड़ाया रेत से लोड ट्रैक्टर

चितरंगी पुलिस की कार्यवाही

सिंगरौली

जिले के चितरंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपरवान में आज दिन रविवार को रेत से लोड एक ट्रैक्टर पुलिस ने पकड़ते हुये खान खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। चितरंगी थाना प्रभारी सुधेश तिवारी ने जानकारी देते हुये बताया कि मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली की सिल्वर कलर की बिना नम्बरी आयसर ट्रैक्टर का चालक मनीष पाण्डेय निवासी रेही का ग्राम कर्थुआ ने महान नदी से रेत लोड़कर चितरंगी तरफ बिक्री करने आ रहा है । जिसकी सूचना पर तत्काल टीम गठीत कर कार्यवाही हेतु निर्देशित कर रवाना किया । पुलिस के वाहन को देखकर ट्रैक्टर चालक पिपरवान में चितरंगी-कर्थुआ मेन रोड पर ट्रैक्टर मय रेत लोड को छोडकर

पिपरवान के जंगल में भाग गया। ट्रैक्टर को गवाहनो के समक्ष जप्त किया जाकर थाना सुरक्षार्थ लाया गया। आरोपी चालाक के विरूद्ध धारा 303(2), 317 (5) बीएनएस 4/21 खान खनिज अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

उक्त कार्रवाई में उनि उमेश तिवारी, सउनि मनीष सेन,रामजी पाण्डेय, सतीष दीक्षित, आर मुकेश पाण्डेय, सुभाष पाल, नूर आलम, शुभम पटेल, अजय यादव, वीर प्रताप सिंह, वर्षा पंथी की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

पुलिस लाईन में पदस्थ आरक्षक का निधन

सिंगरौली। पुलिस लाईन सिंगरौली में पदस्थ आरक्षक का आज दिन रविवार को रिलायंस कन्वेयर बेल्ट परसौना में अचैत पड़ा था। जहां स्थानीय लोगों में पुलिस को सूचना दी। आनन-फानन में ट्रामा सेंटर लाया गया। जहां चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस लाईन में पदस्थ आरक्षक अनिल रौतेल की दो दिन पूर्व तबियत खराब हुई थी। जिनका उपचार जिला चिकित्सालय बैढ़न में चल रहा था। बीती रात छुट्टी कराकर पुलिस लाईन पचौर कमरे पर गये थे। आज कन्वेयर बेल्ट के पास मृत हालत में मिले।

मुख्यमंत्री के जिलें में प्रस्तावित भ्रमण को दृष्टिगत रखते हुये विधायक, कलेक्टर व एसपी ने संयुक्त रुप से किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

कलेक्टर ने कार्यक्रम संबंधित सभी तैयारियां समय सीमा में सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

सिंगरौली। जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित भ्रमण को मद्देनजर रखते हुए देवसर विधायक राजेन्द्र मेश्राम, कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला, एसपी मनीष खत्री, भाजपा जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल सीएम राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरई में पहुंच कार्यक्रम स्थल में की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने हेलीपैड के लिए की गई व्यवस्थाओं के साथ ही वाहनों के चिन्हित पार्किंग स्थलों का भी भ्रमण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा मौके पर उपस्थित अधिकारियों आवश्यक निर्देश दिए गए। ज्ञात हो कि जुलाई के प्रथम सप्ताह में जिले के देवसर अनुभाग अंतर्गत तहसील

सरई में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। जिसके तहत निर्धारित कार्यक्रम स्थल सरई में ही कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित हुई। कलेक्टर द्वारा उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन अधिकारियों को कार्यक्रम के लिए दायित्व सौंपा गया है। अधिकारी सौंपे गए कार्यों को समय सीमा में पूर्ण कर नोडल अधिकारी जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र सिंह नागेश के माध्यम से प्रगति प्रतिवेदन दिया जाना सुनिश्चित करें । कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री के द्वारा जिले के जिन विकास कार्यो का लोकार्पण भूमिपूजन कराया जाना है उनकी सूची तैयार कर विकास कार्यो की शिलापट्टीका तैयार कराये। साथ ही कलेक्टर ने कार्यक्रम के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर सभास्थल पर अग्निशमक व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था सहित शौचालय सहित अन्य के समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ग्रीन रूम, सेफ हाउस, सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल एवं प्रदर्शनी स्थल का भी निरीक्षण कर उचित निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर पीके सेन गुप्ता, एसडीएम देवसर अखिलेश सिंह, एसडीएम सिंगरौली सृजन वर्मा, तहसीलदार सरई चन्द्रशेखर मिश्रा, खनिज अधिकारी आकांक्ष पटेल, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सिंगरौली जिले का स्काउट-गाइड दल अन्तरप्रांतीय अध्ययन यात्रा कर वापस लौटा

सिंगरौली। भारत स्काउट एवं गाइड म.प्र. राज्य मुख्यालय भोपाल के तत्वाधान में व संभागीय अधिकारी, भारत स्काउट एवं गाइड रीवा संभाग रीवा के मार्गदर्शन में तथा डीईओ एसबी सिंह के आदेशानुसार रीवा संभाग की अन्तरप्रांतीय अध्ययन यात्रा में जिले के स्काउटर-गाइडर का दल भी 23 जून से शुरू होकर 27 जून तक संपन्न की गई।

रीवा संभाग के अन्तर्गत सतना, रीवा, सिंगरौली, सीधी से 55 सदस्यीय दल 23 जून को नेशनल एडवेंचर इंस्टीट्यूट कुर्सियांग पश्चिम बंगाल पहुंचा। प्रथम दिन प्रतिभागियों के परिचय एवं जोगिंदर सिंह स्टेट कमिश्नर पश्चिम

बंगाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। जहां कुर्सियांग स्थानीय भ्रमण किया, जिसमें अपने प्रदेश की संस्कृति का आदान-प्रदान किया गया। द्वितीय दिवस में सभी प्रतिभागियों की सहमति से नेपाल काठमांडू के लिए प्रस्थान कर सिलीगुड़ी, काकरभीटा इंडिया-नेपाल के वार्डर होते हुए प्रकृति का आनंद लेते हुए दल पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन कर स्थानीय परिदृश्यों का अवलोकन करते प्रकृति के सानिध्य में काठमांडू के पहाड़ी इलाके से कोशी नदी के किनारे होते हुए दल वापस सिलीगुड़ी काकरभीटा होते कुर्सियांग पश्चिम बंगाल 25 जून को पहुंचा और तृतीय दिवस, 26 जून को चतुर्थ दिवस दार्जिलिंग का भ्रमण कर प्रकृति के सानिध्य में ऐतिहासिक स्थल का अवलोकन कर अपने प्रदेश की संस्कृति की झलकिया प्रस्तुत की जाकर आनन्द लिया। सिंगरौली जिले के दल में अर्चना शर्मा शाउमावि रजमिलान, ऊषा वर्मा, शिवा शर्मा, माया पनाड़िया, पिंकी सिंह सरौंधा धर्मराज कुशवाहा शा कन्या उमावि बैढ़न व आनंद बहादुर अन्य शामिल रहे।

इटमा सड़क मार्ग कीचड़ में तब्दील, पैदल चलना मुश्किल

सिंगरौली। जिले के नगर परिषद सरई के वार्ड क्रमांक 10 इटमा में लोगों का सड़क पर चलना दुश्वार है। बारिश के वजह से कोनी की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग कीचड़ में तब्दील हो चुका है। रोड पर पांव रखने तक की जगह साफ नहीं है। उस रोड में इटमा वासियों के साथ-साथ कोनी, समूद, हट्टा, भीखाझरिया के भी लोग आवाजाही करते हैं। इटमा के सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। उक्त मार्ग नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 10 में आता है। जिसके पार्षद श्रीमती सविता यादव हैं, लेकिन कार्य भार उनके ससुर एड. गया प्रसाद यादव करते हैं।

सहुआर में एक किराना दुकान से पकड़ाई अंग्रेजी शराब

भगवती संगठन के कार्यकर्ताओं ने किया पहल

सिंगरौली। जिले के जियावन थाना अंतर्गत सहुआर गांव में एक किराने की दुकान में अवैध शराब का गोरख धंधा कई वर्षो से चल रहा था। जहां भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ताओं ने पहल करते हुये विदेशी शराब के जखिरा को पकड़ाया। इधर मिली जानकारी के अनुसार सहुआर निवासी रामकुमार शाह पिछले कई वर्षो से अपने किराना दुकान में अवैध शराब की बिक्री कर रहा था। जिसकी सूचना भगवती मानव कल्याण संगठन को मिली तो तत्काल पुलिस को सूचना देते हुये छापामार कार्रवाई की गई। जहां एक बोलेरो वाहन एमपी 66

सीए 1104 से अवैध शराब लाकर रामकुमार साहू के दुकान में रखकर निकल गया। तत्काल पुलिस को सूचना देते हुये मौके पहुंचकर पांच पेटी अवैध शराब लगभग 50 लीटर पुलिस ने जप्त कर ली। बताते चलें की लाइसेंसी शराब दुकानदारों द्वारा एक शराब दुकान का लाइसेंस लेकर बोलेरो में माल भर के गांव-गांव, गली-गली किराने की दुकानों में शराब की अवैध रूप से पैकारी की जाती है। जिसके विरुद्ध भगवती मानव कल्याण संगठन के द्वारा शासन-प्रशासन को कई बार ज्ञापन दिया गया, लेकिन शराब की पैकारी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है।

जिले के पेट्रोल पम्पो की आकस्मिक जॉच के लिए कलेक्टर ने अनुभाग वार दल किया गठित

सिंगरौली। आयुक्त, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अनुसार प्रदेश में कतिपय स्थानों पर पानी मिश्रित डीजल प्रदाय किये जाने की घटना प्रकाश में आई है, जो अत्यन्त खेदजनक है। उक्त के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के द्वारा जिले के पेट्रॉल पंपो के भूमिगत टेंको में पानी की उपस्थिति की रोकथाम एवं उपभोक्ताओं को नोजल से प्रदाय किये जा रहे उत्पाद की गुणवत्ता पेट्रोल पंपो पर आवश्यक नागरिक सेवाओं जैसे निःशुल्क हवा पेयजल, महिला एवं पुरषो के लिए पृथक-पृथक शौचालय की उपलब्धता तथा पेट्रोल पंप के शौचालयों की सफाई व्यवस्था के लिए जिले में संचालित डीजल एवं पेट्रोल पम्पों की जॉच के लिए अनुविभाग स्तरीय जाँच दल का गठन कर संबंधित बिंदुओं की जॉच कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए है।

कलेक्टर द्वारा उपखण्ड अंतर्गत उपखण्ड अधिकारी सिंगरौली के नेतृत्व में गठित जॉच दल में तहसीलदार नगर एवं ग्रामीण सिंगरौली, नापतौल निरीक्षक सिंगरौली, सेल्स ऑफिसर आईओसीएल, बीपीसीएल, एचसीपीएल को शामिल किया गया है। उपखण्ड देवसर के लिए उपखण्ड अधिकारी देवसर अखिलेश सिंह के अगुवाई में गठित जॉच दल में तहसीलदार देवसर, सरई, नापतौल निरीक्षक देवसर, सेल्स ऑफिसर आईओसीएल, बीपीसीएल, एचसीपीएल को शामिल किया गया है। उपखण्ड चितरंगी में जॉच दल उपखण्ड अधिकारी चितरंगी सुरेश जाधव के नेतृत्व में गठित कर तहसीलदार चितरंगी, नापतौल निरीक्षक चितरंगी, सेल्स ऑफिसर आईओसीएल, बीपीसीएल, एचसीपीएल को शामिल किया गया है। उपखण्ड माड़ा में उपखण्ड माड़ा राजेश शुक्ला के अगुवाई में गठित कर तहसीलदार माड़ा, नापतौल निरीक्षक माड़ा सहित सेल्स ऑफिसर आईओसीएल, बीपीसीएल, एचसीपीएल को शामिल करते हुये निर्देशित किया गया है कि उपरोक्तानुसार जाँच दल कार्यक्षेत्र अन्तर्गत समस्त पेट्रोल पंपो का 3 दिवस में जॉच पूरी कर की गई कार्यवाही का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

उपयंत्री एवं स्वच्छता निरीक्षक अपने क्षेत्रों के जल भराव वाले स्थलों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करें : आयुक्त

बारिस के दौरान बेहतर जल निकासी का प्रबंध करे : सृजन

एसडीएम एवं ननि आयुक्त ने संयुक्त रूप से किया जलभराव वाले क्षेत्रो का निरीक्षण

सिंगरौली। उपखण्ड अधिकारी सिंगरौली सृजन वर्मा एवं ननि आयुक्त डीके शर्मा ने आज दिन रविवार संयुक्त रूप से नगरीय क्षेत्रों में जलभराव वाले निचले और संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के

दौरान आयुक्त ने अधिकारियों को जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने और आवश्यक सुधार करने को निर्देशित किया। साथ ही कहा कि ऐसे क्षेत्र जहाँ जलभराव की समस्या बनी रहती है खासकर बारिश के दौरान लभराव वाले क्षेत्रों की संबंधित क्षेत्रों के सहायक यंत्री एवं उपयंत्री चिन्हित कर जरूरी व्यवस्था, सुनिश्चित करें। नाले-नालियों से पानी का ठीक निकास हो सके, उनकी साफ - सफाई कराये और जहां आवश्यक हो, वहां सुधार कार्य भी करायें। निगमायुक्त ने उपयंत्रियों एवं स्वच्छता निरीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में जल निकासी व्यवस्था की प्रतिदिन निगरानी करने के लिए निर्देशित किया और कटान वाले स्थानों पर पहले से ही मिट्टी और रेत की बोरियां जमा रखने के लिए कहा, ताकि आपात स्थिति में उनका तुरंत उपयोग किया जा सके। वही एसडीएम सृजन वर्मा ने बेहतर जल निकासी के लिए निर्देशित करते हुये कहा कि नाले-नालियों की समुचित सफाई करायें। बारिस के दौरान जल भराव वाले स्थलों की लगातार निगरानी करते रहें, ताकि आपदा के दौरान निचली बस्तियों में निवास करने वाले नागरिकों को समय रहते उचित व्यवस्था उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों के विभिन्न वार्डो का निगमायुक्त के साथ पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया। साथ ही निर्देशित किया कि खराब सड़को की मरम्मत करायें ताकि आवागमन सुगमता से चालू रहे। साथ ही वार्डो की नालियों की साफ -सफाई कराने के साथ उन में किटनाशक दवाओं को छिड़काव कराने के भी निर्देश दिए और यह भी निर्देशित किया किया कि मानसून के दौरान जलभराव की समस्याओं को कम करने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने, सभी सजगता से कार्य करे। इस दौरान ननि डिप्टी कमिश्नर आरपी बैस, उपयंत्री चन्द्रमणि द्विवेदी, अनुज सिंह, प्रभारी अधिकारी नवजीवन विहार जोन संतोष तिवारी, सवच्छता निरीक्षक पवन बड़ौदे, सफाई दरोगा अशोक त्रिपाठी सहित निगम का सफाई अमला मौजूद रहा।

जल गंगा अभियान से बदली अमहा तालाब की सूरत

नगरवासियों को मिलेगी एक स्वस्थ और स्वच्छ जीवन शैली

सीधी। जल गंगा संवर्धन अभियान एवं अमृत 2.0 मिशन के तहत वाटरबॉडी रेजुवेनशन कार्यक्रम के तहत नगर पालिका सीधी के वार्ड क्रमांक 23 में स्थित अमहा तालाब के रिजुवनेशन का काम नगर पालिका सीधी के द्वारा किया गया है। पहले जिस जगह पर नगर के लोग आने से कतराते थे आज उस जगह पर आकर गर्व की अनुभूति करते है। आज नगर वासियों के लिए स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण के साथ ही सुबह शाम टहलने के लिए एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से तालाब का सौंदर्य करण का कार्य किया गया है। लगभग 59.50 लाख रुपये की लागत से अमहा तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया हैं जिसमें ग्रीन स्पेस को बढ़ाते हुए महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान करने के उद्देश्य से नगर पालिका सीधी द्वारा अमृत 2.0 एवं डे एनयूएलएम के अभिसरण (कन्वर्जन) के माध्यम से वूमेन फॉर ट्री अभियान के तहत आम, जामुन, नीम, अमरूद, नीम, कचनार, पीपल, आवला, बरगद, मधुकामिनी, फॉक्सटेल पाम, पाईकस, अशोक इत्यादि पौधों का रोपण किया गया।

इसके अतिरिक्त तालाब में पिचिंग, तालाब के चारों तरफ रेलिंग बीम सहित घाट का मरम्मतीकरण एवं नवीन निर्माण, कर्व स्टोन एवं इसे पुरातन लुक देते हुए पुराने पद्धति के हिसाब से तालाब के चारों तरफ टहलने के लिए पाथ-वे रबल स्टोन इत्यादि का भी कार्य कराया गया है। इस अभियान से इस तालाब के साथ साथ नगर के लोगों को भी एक नया स्वस्थ और स्वच्छ जीवन शैली मिल सकेगी।

सर्पदंश से घबराएं नहीं - एक घंटे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं

सीधी। वर्तमान में बारिश होने के साथ वातावरण में लगातार तापमान अधिक रहता है। साँप तथा अन्य जीव-जंतुओं के छिपने के स्थानों में पानी भर जाने के कारण उनका सतह पर विचरण शुरू हो जाता है। इसलिए बारिश में साँप एवं अन्य जहरीले जंतुओं के काटने की घटनाएं होती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आमजनता को सर्पदंश से बचाव तथा उपचार की सलाह दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि विन्ध्य क्षेत्र में प्रमुख रूप से तीन जहरीले सांपों, करैत, रसेल वाइपर तथा कोबरा के काटने के कारण मौत की घटनाएं होती हैं। साँप काटने के बाद एक घण्टे की अवधि में सही उपचार होने पर पीड़ित की जान आसानी से बचाई जा सकती है। साँप काटने के तत्काल बाद निकट के अस्पताल जाकर एक घण्टे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं। यह इंजेक्शन सीधी जिले के सभी विकासखण्डों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला अस्पताल में उपलब्ध है। समय पर इंजेक्शन लगने पर जान का खतरा समाप्त हो जाता है।

साँप काटने के स्थान पर तीखी जलन होती है। पीड़ित को अवसाद, उल्टी आना, लकवा तथा आँख की पुतलियों के फैल जाने के लक्षण दिखाई देते हैं। विष का प्रकोप होने के बाद पीड़ित में माँसपेसियों में ऐंठन और चेतनाहीनता हो जाती है। इसके बाद साँस रूकने से मौत हो जाती है। विष का सर्वाधिक असर तंत्रिका तंत्र और साँस लेने में होता है। कई बार साँप के काटने के स्थान पर सूजन आ जाती है तथा काटा हुआ स्थान काला पड़ जाता है। साँप काटने के बाद हाथ पैरों में झनझनाहट, चक्कर आना, पसीना छूटना, दम घुटना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। सर्पदंश के बाद तत्काल अस्पताल जाकर पीड़ित का उपचार कराएं। झोलाछाप डाक्टरों तथा झाड़फूक करने वालों के चक्कर में पड़कर समय न गवाएं। सर्पदंश से पीड़ित के काटने के स्थान से थोड़ा ऊपर हल्की पट्टी बांधे। काटने के स्थान पर चीरा भी न लगाएं इससे संक्रमण का खतरा रहता है। सर्पदंश तथा अन्य जहरीले कीड़ों के काटने से बचने के लिए कुएं, अंधेरे गड्ढे, झाड़ियों आदि में हाथ न डालें। घर से बाहर निकलते समय जूते अवश्य पहनें। ठंडे, अंधेरे और नम स्थानों में साँप छिपते हैं, ऐसे स्थानों में जाने से बचें।

जल गंगा संवर्धन अभियान ने आदिवासी परिवारों की पेयजल की समस्या का किया समाधान

सीधी। जिले के जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के ग्राम पंचायत झांझ के डांडी टोला में कुछ आदिवासी ऐसी जगह पर बसे हैं जहां चारों तरफ निजी भूमि है जिस कारण स्थाई पहुंच मार्ग अभी तक नहीं बन पाया है। हालांकि जनसंख्या में ये अधिक नहीं हैं लगभग 6 से 7 परिवारों की बस्ती है। इन लोगों के पास बाकी समस्याओं के साथ-साथ सबसे बड़ी समस्या पीने के पानी की थी। इनकी बस्ती के पास एक छोटे गड्ढे में पानी निकलता था उसी दूषित पानी को ये पीने और अन्य कार्यों में उपयोग करते थे। अब जल गंगा संवर्धन अभियान ने इन आदिवासी परिवारों की पेयजल समस्या का समाधान कर दिया है। ग्राम पंचायत ने अभियान के तहत उसी जगह पर हीरालाल कोल के खेत मे अब एक महीने के अंदर

मनरेगा की कपिलधारा योजना के माध्यम से कुआं बना दिया है। इससे उन आदिवासी परिवारों की पेयजल समस्या के समाधान के साथ-साथ 478 मानव दिवसों का सृजन भी हुआ। बस्ती में निवासरत आदिवासियों के लिए यह कार्य किसी वरदान की तरह है। कुएं के साथ रिचार्ज स्ट्रक्चर भी बनाया गया है जो जलस्तर बढ़ाने में सहयोगी होगा। हीरालाल कोल की पत्नी चंदा रावत बताती हैं कि पहले पीने के पानी की बहुत समस्या थी, गड्ढे से जो पानी निकलता था वही पीते थे। बारिश के दिनों में तो समस्या और भी बढ़ जाती थी। अब शासन की पहल पर कुंआ बनने से बहुत ही खुशी और गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने इस पहल के लिए शासन-प्रशासन के साथ ही सरपंच दल प्रताप सिंह गोंड का भी आभार व्यक्त किया है।

जिले में औसत वर्षा 195.8 मि.मी. दर्ज

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 29 जून को सीधी जिले में 19.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.0 मि.मी., चुरहट में 15.0 मि.मी., गोपद बनास में 30.4 मि.मी., सिहावल में 42.2 मि.मी., बहरी में 38.0 मि.मी., मझौली में 11.0 मि.मी. और कुसमी में 0.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 195.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 29 जून तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 295.8 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 92.0, चुरहट में 154.5, गोपद बनास में 143.0, बहरी में 249.7 मझौली में 214.0 मि.मी. और कुसमी में 222.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 36.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी।

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आयोजित किए गए शिविर

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जिले के 402 चिन्हित ग्रामों में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत ग्राम स्तर पर शिविर आयोजित कर जनजाति समुदायों के पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जन् कल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्रदान करते हुए लाभान्वित किया जा रहा है।

शहडोल जिले के धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत ग्राम गोरतरा एवं जमुआ में शिविर आयोजित किया गया।. शिविर में जनजाति समुदाय के उपस्थित जनों से आवेदन पत्र लिए गए व विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया गया। ग्राम पंचायत गोरतरा मे 220 राशन कार्ड, 235 मनरेगा, 170 प्रधानमंत्री जीवन ज्योति, सुरक्षा बीमा योजना, 508 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, 510 जन धन खाता, 235 मनरेगा, 28 विधवा पेंशन, 19 दिव्यांग पेंशन संबंधित आवेदन लिए गए तथा यथासंभव लाभान्वित किया गया। ग्राम जमुआ मे 365 निवास प्रमाण पत्र, 200 राशन कार्ड, 160 मनरेगा, 189 जनधन खाता, 15 प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, 10 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, 18 वृद्धावस्था पेंशन, 9 विधवा पेंशन योजना, 2 दिव्यांग पेंशन योजना ग्राम लक्ष्य के अनुरूप हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कार्य किया गया।

विश्व हिंदू परिषद् महाकौशल प्रान्त की बैठक सम्पन्न

सीधी। बैठक में विश्व हिंदू परिषद् जिला अध्यक्ष गणेश सिंह के अध्यक्षता जिला पालक अधिकारी राजेन्द्र सिंह विभाग मंत्री पुजेरी लाल मिश्र व विभाग संयोजक शैलेन्द्र सिंह बैठक में मंचासीन रहे ,प्रथम सत्र संगठन की आचार्य पद्धति, परिचय तथा पिछले तिमाही कार्यों की चर्चा, धर्म रक्षा निधि का हिसाब जिला एवं प्रखण्ड अभ्यास वर्ग जुलाई माह में आयोजित करना है। एक प्रखण्ड को आदर्श प्रखण्ड बनाना है वार्ड समिति गठन पर विमर्श,कार्यकर्ता के वर्ग प्रशिक्षण की जानकारी भोजन पश्चात द्वितीय सत्र,आगमी छमाही कार्य योजना,पंच परिवर्तन एवं वर्तमान चुनौतियां पर जिला अध्यक्ष का उद्बोधन प्रखण्ड के

प्रत्येक खंडट्ठ ग्रामों में समिति का गठन बैठक का समापन हुआ।

बैठक में उपस्थित विश्व रंजन प्रताप सिंह विभाग सेवा प्रमुख, रमेश त्रिपाठी विभाग विधी प्रमुख, श्रीमती अजिता द्विवेदी उमापति सिंह,रवि राय बहादुर सिंह जिला उपाध्यक्ष, प्रियंका मिश्र मातृ शक्ति संयोजिका अन्नू सिंह सह दुर्गा वाहिनी संयोजिका , जिला मंत्री अनिल कुमार मिश्र, जिला सह मंत्री विवेक चौरसिया,अभिषेक सिंह जिला संयोजक ,राज कुमार पाण्डेय जिला सह कोषाध्यक्ष , अजीत सिंह जिला विशेष सम्पर्क प्रमुख, सांध्य मिश्र जिला दुर्गा वाहिनी संयोजिका, राजेन्द्र शर्मा जिला सामाजिक समरसता प्रमुख अजीत सिंह विशेष संपर्क प्रमुख ,सरसिज सिंह जिला सह सामाजिक समरसता प्रमुख अशोक तिवारी जिला सेवा , अशोक गुप्ता सुरक्षा प्रमुख आर्यन सिंह मिलन प्रमुख, योग्य सेन गुप्ता मंदिर अर्चक पुरोहित, महेन्द्र सिंह जिला विधि प्रमुख, पंकज द्विवेदी जिला सत्संग प्रमुख, विनोद शर्मा, श्रीमती कुसुम सिंह, राम सिंह नगर उपाध्यक्ष , मुकेश नामदेव नगर मंत्री, दिनेश गुप्ता सत्संग प्रमुख अमन श्रीवास्तव मिलन प्रमुख प्रखण्ड रामपुर नैकिन हरिश्चन्द्र मिश्र अध्यक्ष रवि शंकर मिश्रा सामाजिक समरसता प्रमुख प्रखण्ड सिहावल राजन शुक्ल अध्यक्ष दिलीप कुमार केशरवानी उपाध्यक्ष रमा कांत पांडेय मंत्री राम नरेश रावत राहुल मिश्र संयोजक , प्रिंस केशरी प्रखण्ड बहरी गिरीश सिंह मंत्री प्रखण्ड सेमरिया पुष्पराज मिश्र अध्यक्ष प्रखण्ड मझौली अंकित सोनी अध्यक्ष , मनोज सह मंत्री कपिल केशरी संयोजक पंकज तिवारी सह संयोजक शिवम् शुक्ला सीधी नगर सोजल प्रखंडों के कार्यकर्ता बंधु सिंह, शिपाली सिंह, वेद प्रकाश मिश्रा, शरद सिंह, राकेश कुशवाहा, प्रमोद गुप्ता मनोज प्रजापति, अनुराग गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, राजा सिंह, सुरेश कुंडेर, दुर्गेश जयसवाल, अज्जू रजक, अंजनी प्रजापति, शिव बालक चौबे, सूरज लखेरा, प्रदीप सिंह, जय द्विवेदी, राजेश उपाध्याय, विवेक सिंह, उपेंद्र सिंह, लोकेश कुमार पाठक, सुरेश मिश्र, राजेन्द्र सिंह चौहान, कृष्ण कांत पांडेय,सम्मिलित रहे। उक्त जानकारी धीरेश मिश्र प्रचार प्रसार प्रमुख ने दी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर नैकिन की जांच के लिए दल गठित

सीधी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर नैकिन के संबंध में प्रसारित एवं प्रकाशित खबर कि अस्पताल में व्यवस्था बदहाल स्थिति में है एवं वार्डों में मरीजों के बेड पर आवारा कुत्ते आराम फरमाते हैं, के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे द्वारा आदेश जारी कर अस्पताल की जॉच के लिए समिति का गठन किया गया है।

जारी आदेशानुसार समिति के अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय प्रजापति तथा सदस्य जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नागेन्द्र बिहारी दुबे एवं लिपकीय कार्य सहायक ग्रेड 3 मनोज कुमार द्विवेदी को नियुक्त किया गया है।

उपरोक्तानुसार समिति को निर्देशित किया गया है कि जॉच प्रतिवेदन 03 दिवस के अन्दर कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सौंपेगे।

सीधी सिनेमा क्लब में दिखाई गई फिल्म क्रेजी

सीधी। डॉ. अभिमन्यु सूदएक मशहूर सर्जन हैं, जो अपनी पेशेवर और निजी जिंदगी में संघर्ष कर रहे हैं। उनकी बेटीवेधिकाडाउन सिंड्रोम से ग्रसित है, जिसे समाज और खुद अभिमन्यु भी पूरी तरह से स्वीकार नहीं कर पाते।

एक दिन अभिमन्यु को एक अनजान कॉल आता है - किसी ने वेधिका का अपहरण कर लिया है। अपहरणकर्ता उनसे एक बड़ी रकम की फिरौती मांगता है। अभिमन्यु इस

रकम का इंतजाम करने के लिए भागदौड़ करता है और अपनी बेटी को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हो जाता है।

पूरी फिल्म में अभिमन्यु सिर्फ फोन पर बात करता है - अपहरणकर्ता से, अपने आप से, और अपनी यादों से।यह एक तरह कीरेस अगेंस्ट टाइमबन जाती है।जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, अभिमन्यु को अपनी पुरानी गलतियों, अपने डर और अपनी सोच का सामना करना पड़ता है। वह अपनी बेटी के बारे में जो सोचता था, वह सब धीरे-धीरे टूटने लगता है।क्लाइमेक्स में बड़ा ट्विस्टसामने आता है - दरअसलवेधिका ने खुद अपनी नकली किडनैपिंग प्लान की थी।उसने यह सब इसलिए किया ताकि अपने पिता को यह साबित कर सके कि वह कमजोर या क्रेज़ी नहीं है।वेधिका बस चाहती थी कि उसके पिता और समाज उसे उसके वास्तविक रूप में स्वीकार करें।

अंत में बच्चों को परिचर्चा के दौरान बताया गया की किसी को कभी कमजोर मत समझो।हर बच्चा, चाहे वो आपसे अलग हो, उसके अंदर भी कोई खास ताकत होती है।अपने दोस्तों और परिवार पर भरोसा करो।अगर आप किसी से प्यार करते हो, तो उस पर भरोसा करना सीखो।कोई भी बच्चा 'पागल' नहीं होता।सब अलग-अलग होते हैं, और सबमें कुछ खास बात होती है।हमेशा खुद पर विश्वास रखो।चाहे लोग कुछ भी कहें, अगर तुम खुद पर भरोसा रखोगे तो कुछ भी कर सकते हो।सच्चा प्यार समझने में होता है, ताना मारने में नहीं।अपने दोस्तों और परिवार की कमियों को प्यार से स्वीकार करो, उनका मजाक मत उड़ाओ।

वर्षाकाल में नगरीय निकायों के आवागमन मार्गों के अवरोध हटाने, नालियों की सफाई तथा जर्जर भवनों का चिन्हांकन कर हटाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

शहडोल। वर्षाकाल में नगरीय निकायों के आवागमन मार्गों के अवरोध हटाने, सड़कों के गड्ढे भराने, सेप्टिक टैंकों की नियमित साफ-सफाई कराने, पेयजल सप्लाई में जहां पाईप लाईन टूट गई हों की मरम्मत कराने, नालियों की सफाई तथा जर्जर भवनों का चिन्हांकन कर हटाने के कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुद्रिका सिंह, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण तथा नगरीय निकायों के नगरपालिका अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अमृत योजना फेज-1 तथा फेज-2 के कार्यों की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता के साथ कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवासों का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। जो आवास अधूरे हैं उनकी सतत मानीटरिंग की जाए तथा उन्हें पूरा कराया जाए। फेज-2 के शहरी प्रधानमंत्री आवास योजना में प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार कर संयुक्त टीम का गठन कर सत्यापन का कार्य पूरा किया जाए तथा उनके डीपीआर भी बनाए जाएं।

30 जून को विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

शहडोल। कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग श्री दिनेष कुमार तिवारी ने जानकारी दी है कि 30 जून 2025 को विद्युत लाईन में मेटिनेन्ष का कार्य किया जाना है। जिस कारण से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 30 जून 2025 को सुबह 07 से लेकर 09 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 11केव्ही शहडोल टाउन फ़ीडर में कोतवाली परिसर शहडोल एवम कॉलोनी,सम्पूर्ण गंज क्षेत्र,सब्जी मंडी,पंचायती मंदिर के पास सम्पूर्ण क्षेत्र,शेर चौक के पास सम्पूर्ण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति,परमट ,रेलवे फाटक,सिंधी बाजार, मीट मार्केट, मोहन राम तालाब के पास सम्पूर्ण क्षेत्र,गांधी चौक,रघुराज स्कूल,डस्ठ स्कूल,घरौला मोहल्ला,कमिश्नर बगला तक,महाराजा होटल, फैसला गोल्ड,आहूजा मार्केट,कांग्रेस भवन ,गांधी चौक से लेकर बुढार चौक तक ,नगर पालिका कार्यालय,कलेक्टर बगला, कृतिम गर्भाधान केंद्र विराट मंदिर,आदि मुख्य क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बन्द रखी जाएगी 11केव्ही नगरपालिका फीडर में सुबह 07 से 08 तक कोतवाली कॉलोनी एवं थाना के पास का क्षेत्र ,गाँधी स्टेडियम ,कन्या उच्चतर माध्यम स्कूल गंज ,पुरातत्व कार्यालय ,चौपाटी के पास सम्पूर्ण क्षेत्र ,जिला जेल ,जिला जज बगला चिंटू डेरी के पास का क्षेत्र ,डॉक्टर कॉलोनी ,झूला पुल,सम्पूर्ण पुलिस लाइन ,पटेल नगर ,चरक सिटी राजेंद्र टाकीजै,ठप् बैंक ,पुराना बस स्टैंड शहडोल,अजाक थाना शहडोल ",च् बगला ,जिला अस्पताल ,कलेक्टर कार्यालय ,तहसील कार्यालय ,सोहागपुर ,सम्पूर्ण पाली रोड ,।कॉलोनी के पास का क्षेत्र ,जिला न्यायालय शिवम् कॉलोनी बन मंडल कार्यालय के पास का क्षेत्र जयस्तम चौक ,रोहरा कैम्पस ,मछली पालन , संभाग आयुक्त बगला की बिजली ,पुलिस महा निरीक्षक बगला की बिजली संभाग आयुक्त कार्यालय शहडोल ,पुलिस महा निरीक्षक कार्यालय शहडोल आदि मुख्य क्षेत्र की बिजली।

सामान्य पिछड़ा अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी कर्मचारी संगठन की सामान्य सभा की बैठक एवं प्रांतीय अधिवेशन का आयोजन किया गया

सीधी। नर्मदीय भवन तुलसी नगर में सामान्य पिछड़ा अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी कर्मचारी संगठन (सपाक्स)की सामान्य सभा की बैठक एवं प्रांतीय अधिवेशन का आयोजन किया गया कार्यक्रम मे डॉ के.एल साहू अध्यक्ष सपाक्स समाज ,श्री सुधीर नायक अध्यक्ष,मंत्रालय कर्मचारी संगठन,श्री उमाशंकर तिवारी,सचिव मध्य प्रदेश तृतीयवर्ग कर्मचारी संगठन, सुनील पटेरिया जिला सचिव कर्मचारी संघ ग्वालियर संगठन के संस्थापक मंडल के सदस्य एवं अध्यक्ष डॉक्टर के एस तोमर, संस्थापक मंडल के सदस्य श्री अजय जैन, श्री आरबी राय ,श्री आलोक अग्रवाल, श्री अनुराग श्रीवास्तव संगठन के उपाध्यक्ष इंजीनियर डी के भदोरिया,श्रीमती रक्षा चौबे संगठन के कोषाध्यक्ष श्री राकेश नायक , संगठन के न्यायालय शाखा के प्रभारी श्री आशीष भटनागर ,संगठन के राज्य समन्वयक डॉक्टर एस के श्रीवास्तव, राज्य समन्वयक एवं अध्यक्ष उज्जैन श्री अरविंद सिंह चंदेल, मंत्रालय संगठन के अध्यक्ष श्री हितेश, मंत्रालय संगठन श्री अमरेश गालर,श्रीमती चेतना, संगठन की राज्य कार्यकारिणी के सदस्य डॉ शशांक सिंह, डॉक्टर विपिन तोमर संगठन द्यद्यके सचिव राजीव खरे विभिन्न जिलो से आए पदाधिकारी एवं सदस्य ,इसके साथ बड़ी संख्या में मंत्रालय के कर्मचारियों तथा विभिन्न विभागों के संचालनालय्यों के एवं विभिन्न कार्यायलयों के अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

सभी वक्ताओं ने नए

बनाए गए लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 में किए गए प्रावधानों की आलोचना की तथा यह कहा कि सरकार द्वारा एक तरफा नियम बनाए गए हैं आरक्षित वर्ग के जिन लोगों को पदवनत होना है उनको पदावनत न करते हुए न केवल पदोन्नति का इनाम दिया जा रहा है,बल्कि अनारक्षित के पदो पर पदोन्नती देने के प्रावधान है जो की माननीय उच्च न्यायालय एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का उल्लंघन है .दूसरी तरफ सामान्य अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग के कर्मचारी जिनके पदों में आरक्षित वर्ग के पदाधिकारी पहले से ही पदस्थ है उन्हें उनके पदों में आरक्षित वर्ग के आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों की पदोन्नति कर उनके पदों को कम किया जा रहा है जो की पूरी तरह सामान्य पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग के कर्मचारियों के साथ अन्याय एवं अत्याचार पूर्ण कार्यवाही होगी।

कुछ वक्ताओं ने सरकार को मध्य प्रदेश के 2019 के चुनाव एक बार फिर से याद दिलाने की बात कही वक्ताओं द्वारा कहा गया कि सामान्य वर्ग की नाराजगी का खामियाजा सरकार एक बार भुगत चुकी है दोबारा उसी की तैयारी कर रही है।

संगठन की बैठक का प्रमुख उद्देश्य संगठन के विस्तार की योजना बनाना संगठन के बायलॉज में संशोधन तथा परिमार्जन करना एवं मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 के कारण उत्पन्न परिस्थितियों पर चर्चा कर आगे की रणनीति बनाना था . बैठक मे कहा गया मध्य प्रदेश पदोन्नति नियम 2025 बहुत सारे मुद्दे ऐसे हैं जिसे अभी भी अनारक्षित वर्ग को पदोन्नतियों में बहुत नुकसान होने की संभावना बनी हुई है, साधारण सभा की बैठक मे यह निर्णय लिया गया कि पहले इस विषय पर संगठन के सदस्य सभी जिलो मे सांसदों एवं विधायकों से मिलकर उनके समक्ष अपनी बात रखेंगे एवं उनको अभ्यावेदन देंगे ,उसके बाद जिला कलेक्टर को मुख्य मंत्री एवं के नाम से ज्ञापन सौपे जाएंगे ।इस कार्रवाई के समानांतर हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में भी यथासंभव प्रयास किए जाएंगे वहां से सरकार द्वारा बनाए जा रहे गलत नियमों के विरुद्ध आदेश प्राप्त किए जा सके ।

संपादकीय

अब दो बार परीक्षा, फैसले से छात्रों का खुद पर बढ़ेगा भरोसा

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की दसवीं कक्षा की परीक्षा वर्ष में दो बार आयोजित करने का फैसला विद्यार्थियों के लिए राहत भरा है। सीबीएसई ने शैक्षणिक सत्र 2026 से इस व्यवस्था को लागू करने के लिए मानदंडों को अंतिम मंजूरी दे दी है। यह बदलाव इसलिए भी अहम है, क्योंकि इससे न केवल विद्यार्थियों को अपने अंकों में सुधार करने का एक और मौका मिलेगा, बल्कि पढ़ाई को लेकर उनका तनाव भी कम होगा। परीक्षा का पहला चरण फरवरी और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा।हालांकि, पहले चरण की परीक्षा में शामिल होना विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा, लेकिन दूसरा मौका मिलने से उन पर बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव निश्चित रूप से कम होगा। सीबीएसई का परीक्षा व्यवस्था में यह बदलाव नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की सिफारिशों के अनुरूप है, जिसमें बोर्ड परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों को तनावमुक्त माहौल प्रदान करने को तवज्जो दी गई है। विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिहाज से सीबीएसई के इस फैसले को एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।दरअसल, दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को परीक्षा का एक और मौका पहले भी मिलता था, लेकिन वह केवल पूरक परीक्षा के लिए होता था। नई व्यवस्था के तहत दूसरे चरण की परीक्षा में विद्यार्थियों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने और अच्छे अंक हासिल करने का मौका मिल सकेगा। जाहिर है कि इससे विद्यार्थियों पर पढ़ाई को लेकर दबाव कम होगा।विद्यार्थी अपनी तैयारी को लेकर यह भी तय कर सकेंगे कि पहले और दूसरे चरण की परीक्षा में किन-किन विषयों पर ध्यान केंद्रित करना है। मसलन, पहली परीक्षा में गणित, अंग्रेजी और विज्ञान पर और दूसरी परीक्षा में अन्य विषयों पर विशेष ध्यान देना है। नई व्यवस्था में भले ही परीक्षा के दो चरण होंगे, लेकिन विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन वर्ष में सिर्फ एक बार किया जाएगा। यह बदलाव भी परीक्षा प्रक्रिया को सरल और अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

जल संरक्षण का जन आंदोलन बना जल गंगा संवर्धन अभियान

● डॉ. मोहन यादव

क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, पंचतत्व से बना शरीरा

रामचरित मानस की इस चौपाई के पंचतत्वों में से एक जल, जीवन का आधार है। हमें जीवन के अस्तित्व के लिये जल को संरक्षित करना ही होगा। इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना जरूरी है। ऋग्वेद की ऋचाओं में जल के महत्व, विशेषताओं और संरक्षण का संकेत है। रामायण और महाभारत में प्रकृति के संरक्षण का उल्लेख है। जल संरक्षण हमारी पुरातन संस्कृति है। यह अपनी परंपरा और संस्कारों की ऐतिहासिक विरासत है, जिसे हमें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विरासत से विकास की दृष्टि समग्र कल्याण के लिए है, जो प्रकृति संवर्धन से लेकर विकास के हर पक्ष में समाहित है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने लंबे समय तक जल संरक्षण का अभियान चलाया था उन्हीं से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश में हमने जल गंगा संवर्धन अभियान की संकल्पना की। इस अभियान का शुभारंभ 30 मार्च गुड़ी पड़वा, नववर्ष विक्रम संवत अवसर पर महाकाल की नगरी उज्जयिनी के शिप्रा तट से किया गया। यह अभियान जल संरक्षण, जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और जन-जागरुकता को समर्पित रहा है। जल संग्रह के कई कीर्तिमान रचने के साथ आज हम जल संरक्षण की समृद्धि का उत्सव मना रहे हैं।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस 90 दिन तक चले अभियान में पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर जल-संरचनाओं पर काम हुआ है। अभियान में खंडवा जिले ने 1.29 लाख संरचनाओं का निर्माण किया है। इस विशेष उपलब्धि के लिए खंडवा को भू-गर्भ जल भंडारण की दृष्टि से प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जल सुरक्षा और प्रभावी जल प्रबंधन के लिए कैच द रेन अभियान शुरू किया। इसी से प्रेरणा से लेकर मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा की एक-एक बूंद को सहेजने का प्रयास किया गया। प्रदेश में पहली बार वर्षा जल को सहेजने का बड़े स्तर पर अभियान चला इससे भविष्य में भू-जल की निर्भरता कम होगी और पानी की हर बूंद का उपयोग होगा।

हमने प्रधानमंत्री जी के मिशन लाइफ मंत्र को आत्मसात किया और अपनी जीवन शैली में बदलाव कर पर्यावरण रक्षा का सूत्र हाथ में लिया है। इससे जन-जन में पर्यावरण मित्र के रूप में जीवन जीने की परंपरा निर्मित हुई है। प्रदेशवासी मिशन लाइफ के अनुसार प्रकृति के साथ प्रगति पथ पर आगे बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में पहली बार री-यूज वाटर पोर्टल निर्मित किया जा रहा है। यह पहल प्रदेश में जल संरक्षण और पुनः उपयोग की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस तरह प्रदेश जल प्रबंधन के लिए तीन सिद्धांत री-यूज, रीड्यूज और री-साइकल पर आधारित रणनीति बनाकर काम कर रहा है।

यह हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश की धरती प्रकृति की विपुल सम्पदा से समृद्ध है। यह मां नर्मदा, शिप्रा मईया, ताप्ती और बेतवा सहित लगभग 267 नदियों का मायका है। प्रदेश में पहली बार नदियों को निर्मल और अविरल बनाने के लिए 145 से अधिक नदियों के उद्गम को चिन्हित किया गया और साफ-सफाई के साथ पौधरोपण की शुरुआत हुई है। नदियों के तट पर पौधरोपण की यह पहलनदियों को उनके मायके में हरि चुनरी ओढ़ाने का प्रयास है।

प्रदेश में पहली बार जल सरंक्षण के साथ जल समृद्धि की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की पहल की गई। इसके तहत राजाभोज ने बसाये भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर बड़े बाग की बावड़ी को सहेजने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया गया। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि इस अभियान के अंतर्गत हमने 200 वर्ष पहले लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर द्वारा बनाई गई होलकर कालीन बावड़ी को जीर्णोद्धार उपरांत नया स्वरूप प्रदान किया है। इस बावड़ी का लोकर्पण करते हुए मुझे यह महसूस हुआ कि हम माता अहिल्या के लोक कल्याण के युग में पहुंच गये हैं। बावड़ियां हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर हैं, इसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिये प्रदेश भर में दो हजार से अधिक बावड़ियों को पुनर्जीवित करते हुए बावड़ी उत्सव मनाया गया।

प्रधानमंत्री जी ने हमारी युवा शक्ति को जल सैनिक बनाने का आह्वान किया था। इस अभियान में, मध्यप्रदेश में पहली बार 2 लाख 30 हजार जल दूत बनाये गये। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पानी बचाने के लिए यह अमृत मित्र भविष्य में जल सुरक्षा के अग्रदूत बनेंगे। प्रदेश में पहली बार डेढ़ लाख से अधिक कृषकों ने सभी विकासखंडों में 812 पानी चौपाल का आयोजन किया। इसमें किसानों ने अपने गांव के खेतों, जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार पर विचार-विमर्श किया।

प्रदेश में पहली बार खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में रोकने के लिए खेत तालाबों का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर से किया गया। अभियान में 83 हजार से अधिक बनने वाले खेत-तालाबों से प्रदेश के अन्नदाता में नई उम्मीद जागी है। अब वे अपने खेत में एक नहीं कई फसलें ले सकते हैं। खेत तालाब के अलावा अमृत सरोवर और डगवेल रिचार्ज बनाने में भी सिपरी सॉफ्टवेयर, एआई और प्लानर सॉफ्टवेयर जैसी तकनीक का उपयोग किया गया है। इस तकनीक से निर्धारित लक्ष्य को समय रहते प्राप्त करने में आसानी हुई है और गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसके लिए नियमित जानकारी प्राप्त करने के लिए डेशबोर्ड डाटा को एआई के माध्यम के उपयोग से अभियान की प्रगति में सुधार और गति दी गई।

इस अभियान में प्रदेश के नगर-नगर और गांव-गांव में जल स्त्रोतों को शुद्ध और उपयोगी बनाने का कार्य चला, अनेक पोखर और बावड़ियों को पुनर्जीवन प्राप्त हुआ। यह सरकार और समाज का संयुक्त प्रयास है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पानी की बूंद-बूंद सहेजने का जो प्रयत्न किया गया है वह हमारे किसान भाइयों के लिए पारस पत्थर का काम करेगा। सूखे खेत हरे-भरे होंगे, सुनहरी फसलें लहलहायेंगी। हमारा किसान समृद्ध होगा और मध्यप्रदेश की धरती समृद्ध होगी।

वर्षा के जल को संग्रहित करने और पुराने जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार के लिए चलाए गए अभियान की सफलता का सबसे बड़ा आधार रहा जनभागीदारी। सरकार, शासन-प्रशासन, समाजसेवी और प्रदेश के आमजन ने इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई है। जल गंगा संवर्धन अभियान के बाद अब पौधरोपण का व्यापक अभियान चलाया जायेगा।

मुझे खुशी है कि जल गंगा संवर्धन अभियान शासन के साथ जनता के लिए, जनता का अभियान बन गया है। इस अभियान ने जनआंदोलन का स्वरूप ले लिया है। प्रदेश ने यह प्रमाणित किया है कि यदि सरकार और जनता मिलकर कार्य करेंतो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। किसान, महिला, युवा और विद्यार्थियों ने जल संरक्षण को जीवन का मंत्र बना लिया है। इससे समाज में जल संरक्षण का भाव और भागीदारी का मानस विकसित हुआ है। इस अभियान ने हम सभी के मन को एक नये संकल्प और ऊर्जा से भर दिया है। यह अभियान केवल जल संरक्षण का कार्य नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और भविष्य की सुरक्षा का वह सूत्र है, जिससे प्रदेश की समृद्धि जुड़ी है।

अद्भिः सर्वाणि भूतानि जीवन्ति प्रभवन्ति च।

महाभारत के शांति पर्व का यह श्लोक जल के महत्व और जीवन में इसकी भूमिका को दर्शाता है। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता से पानी की बूंद-बूंद बचाने और जल समृद्ध राज्य बनाने का आह्वान करता हूं।

आईये, हम सब मिलकर पानी की हर बूंद बचाने का संकल्प लें, जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य को आगे बढ़ायें। मुझे उम्मीद है कि जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश में जल की प्रचुर उपलब्धता और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित होगी।

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

युद्ध दो देशों में संघर्ष ही नहीं पारिस्थितिकी तंत्र पर भी ड़ालता है असर

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

देखा जाए तो आज दुनिया के हालात अच्छे नहीं कहे जा सकते। एक और युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं तो दूसरी और दुनिया के देश आंतकवादी गतिविधियों से दोचार हो रहे हैं। बांग्लादेश का तक्ता पलट हमारे सामने है तो पाकिस्तान में औपचारिक रुप से सेना द्वारा सत्ता पर काबिज होने के समाचार देर सबेर आने ही है।

युद्ध केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं रहकर इसके साइड इफेक्ट जन-धन हानि से भी अति गंभीर होते हैं। युद्ध के चलते जिस तरह के गोला-बारुद और केमिकल युक्त बम, मिसाइलें और ना जाने क्या क्या का उपयोग होता है जो प्रकृति पर दूरगामी नकारात्मक असर छोड़ते हैं। आज भले ही इजरायल-ईरान युद्ध के बीच युद्धविराम हो गया हो और भारत पाक युद्धविराम की तरह इसका श्रेय भी डोनाल्ड ट्रम्प ले रहे हो पर युद्ध के दूरगामी दुष्परिणामों से आने वाली पीढ़ी और प्रकृति किसी को माफ करने वाली नहीं है। हालांकि इजरायल-युद्ध में दोनों देशों द्वारा ही अपनी अपनी जीत के दावें किये जा रहे हैं पर यह नहीं भूलना चाहिए कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता तो दूसरी और आज के समय में युद्ध किसी निर्णायक स्तर पर पहुंच ही जाये यह भी कहा जाना बेमानी होगा। इजरायल-ईरान युद्ध से पहले इजरायल-हमास युद्ध, भारत पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिन्दूर और लंबे समय से लगातार चला आ रहा रुस-यूक्रेन युद्ध हमारे सामने हैं। आज चल रहे इन युद्धों में से किसी को भी निर्णायक स्तर पर पहुंचते हुए नहीं देखा जा सकता और आज के समय के इन युद्धों को निर्णायक स्तर पर ले जाने की बात करना भी बुद्धिमानी नहीं मानी जा सकती। आज का युद्ध कोई बच्चों का खेल नहीं है। यूक्रेन जैसा छोटा सा देश रुस जैसे बिग गन का पूरे साहस के साथ मुकाबला कर रहा है।

देखा जाए तो आज दुनिया के हालात अच्छे नहीं कहे जा सकते। एक और युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं तो दूसरी और दुनिया के देश आंतकवादी गतिविधियों से दोचार हो रहे हैं। बांग्लादेश का तक्ता पलट हमारे सामने है तो पाकिस्तान में औपचारिक रुप से सेना द्वारा सत्ता पर काबिज होने के समाचार देर सबेर आने ही है। अमेरिका में दूसरे देशों से शरणार्थी के रुप में आये लोग आये दिन नाक में दम कर रहे हैं। यूरोपीय देश खासतौर से फ्रांस इसका भुक्तभोगी रह चुका है। देखा जाए तो दुनिया के अधिकांश देश अशांति के हालात से दो चार हो रहे हैं।

युद्ध केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं रहकर इसके साइड इफेक्ट जन-धन हानि से भी अति गंभीर होते हैं। युद्ध के चलते जिस तरह के गोला-बारुद और केमिकल युक्त बम, मिसाइलें और ना जाने क्या क्या का उपयोग होता है जो प्रकृति पर दूरगामी नकारात्मक असर छोड़ते हैं। आज भले ही इजरायल-ईरान युद्ध के बीच युद्धविराम हो गया हो और भारत पाक युद्धविराम की तरह इसका श्रेय भी डोनाल्ड ट्रम्प ले रहे हो पर युद्ध के दूरगामी दुष्परिणामों से आने वाली पीढ़ी और प्रकृति किसी को माफ करने वाली नहीं है।

युद्ध चाहे आज के जमाने का हो या पुराने जमाने का अपने निशान धरती पर लंबे समय तक के लिए छोड़ जाते हैं। यह कहना कि युद्ध इतिहास की बात रह जाता है, गलत होगा। यह विश्लेषण में युक्तिसंगत नहीं कहा जा सकता कि युद्ध के दौरान अमुख देश के इतने करोड़ रुपए प्रतिदिन खर्च हो रहे थे या युद्ध के कारण जनहानि के साथ ही करोड़ों की संपत्ति और युद्ध सामग्री का नष्ट होना भी एक बात है। इसके साथ ही युद्ध में प्रयुक्त सामग्री खासतौर से युद्ध आयुधों के प्रयोग के कारण प्रकृति पर कितना प्रतिकूल असर पड़ता है वह अकल्पनिय होता है। हालिया युद्धों में किस तरह से मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है और दूसरी और उन्हें नष्ट करने के प्रयास हुए हैं। इससे केवल क्षेत्र विशेष ही नहीं अपितु वायु मण्डल, पारिस्थिति तंत्र सहित प्रकृति पर गंभीर दूरगामी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। बम, गोलाबारी, धुंआ, रासायनिक तत्वों के उपयोग से ग्रीन हाउस गैसों में बढ़ोतरी हुई है।

ग्लोबल वार्मिंग पर इसका सीधा सीधा असर पड़ेगा। यह तो वायु मण्डल के प्रदूषित होने और ग्लोबल वार्मिंग की बात है दूसरी तरफ रासायनिक बमों के अवशेष और युद्ध के कारण बारुदी सुरंगों या बारुद आदि सामग्री के उपयोग के कारण भूजल, मिट्टी आदि भी प्रदूषित होती है और पानी के प्रदूषित होने और मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है। इसके साथ ही जल, थल और नभ तीनों ही स्थानों पर जैव विविधता प्रभावित होती है। वन्य जीवों के साथ ही पशु-पक्षियों सहित अन्य प्रजातियों की विलुप्ति सहित अनेक दुष्प्रभाव सामने आते हैं। युद्ध के कारण जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग से प्रदूषण के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों पर विपरीत प्रभाव आता है।

पारिस्थितिकी तंत्र के प्रभावित होने के साथ ही युद्ध के कारण जिस तरह से जन-धन हानि और प्रकृति पर विपरीत प्रभाव के साथ ही युद्ध के कारण संसाधनों के नष्ट होने, उन्हें वापिस दुरुस्त करने, आधारभूत संरचना विकसित करने और कुछ कार्य तत्काल दुरुस्त करने के होते हैं तो कुछ सुधार कार्यों में लंबा समय लगना होता है। इस तरह से युद्ध के कारण केवल दो देशों के बीच तात्कालीक संघर्ष और संघर्ष विराम मात्र नहीं होता और युद्ध का असर केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं होता यहां तक कि युद्ध का असर युद्धरत देशों तक ही नहीं होता अपितु युद्ध के कारण प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से अधिकांश देश प्रभावित होते हैं और प्राकृतिक संसाधनों पर सीधा असर पड़ता है। आज जिस तरह से विश्व गांव की बात की जाती है ग्लोबल की बात की जाती तो है यह साफ है कि युद्ध केवल युद्धरत देशों ही नहीं अपितु समूचे विश्व को युद्ध की आंच से दो चार होना पड़ता है। ऐसे में साम्राज्यवादी सोच और अहम् को त्याग कर उसके स्थान पर आपसी समझ और बातचीत से ही समस्या का समाधान महत्वपूर्ण हो जाता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5777

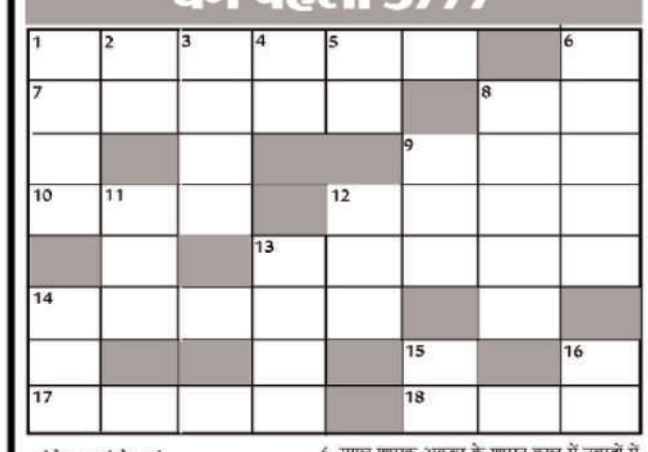

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1961 को इस अमेरिका के प्रथम अश्वेत एंव 44 वें राष्ट्रपति ने जन्म लिया था (6)
7. निराकरण या समाधान करना (5)
8. सड़क, मार्ग (अंग्रेजी)(2)
9. पहर-पहर पर घंटा बजने का शब्द, समय घोष (3)
10. चोचला, ठसक, हाव-भाव (3)
12. अज्ञात, अप्रसिद्ध, नामहीन, अख्यात (4)
13. दूरदर्शन पर पूर्व प्रसारित धारावाहिक महाभारत के संगीतकार (5)
14. युवराज, नवाबज्यादा, पुरानी फिल्मों के प्रसिद्ध चरित्र अभिनेता (5)
17. भगवान, ईश्वर, प्रभु (4)
18. जिंदगी, हयात, पुरानी फिल्मों के ये अभिनेता अपनी खल-भूमिका के लिए जाने जाते थे (1915-1987) (3)

ऊपर से नीचे

1. यह अरब देश है जिसमें 33 छोटे-छोटे द्वीप शामिल है इस देश की राजधानी मनामा है (4)
2. लार, वार्निश, गोंद (2)
3. क से ह तक की वर्णमाला (4)
4. अभिमुखता, दिशा में, तरफ (2)
5. वेष, विन्यास, पहनावा, पोशाक (2)
6. मुगल शासक अकबर के शासन काल में नवरत्नों में से एक थे जिसने भूमि पैमाईश का आयोजन किया था (5)
8. वह डायरी जिसमें प्रतिदिन की कार्यवाही का विवरण लिखा जाता है (5)
9. खुशबू, महक, संगीत का विशेष कंपन (3)
11. शास्त्रीय संगीत में षड्ज स्वर (3)
12. परस्पर निर्वाह या जीवन निर्वाह, रास्ता (3)
13. महर्षि वाल्मीकि का प्रसिद्ध पौराणिक ग्रंथ (4)
14. प्रेम करना, अजीज मानना, दिल में जगह देना, मन लगाना, रीझना (3)
15. 332 द्वीप वाले द्वीपपुंज की राजधानी सुवा है (3)
16. गौरव की भावना, प्रतिज्ञा, संकल्प (2)

वर्ग पहेली 5776 का हल

ज	व	दे	व		सा	के	त
ग	म	न		बा	त		पा
दं		दा	वा		हिं	स	क
बा	ब	र		गा	दु	र	
	र		रे		स्ता		भू
अ	सी	म		सो	नी	प	त
दू		त्ता	ना				ना
ट	ह	ल	ना		स	प	थ

संविधान की प्रस्तावना से छेड़छाड़ कर कांग्रेस ने जो गलती की थी, संसद को उसे सुधारना चाहिए

(नीरज कुमार दुबे)

आरएसएस पर सवाल उठा रही कांग्रेस को यह भी पता होना चाहिए कि साल 2023 में नये संसद भवन में कामकाज के पहले दिन सांसदों को दी गई संविधान की प्रति में प्रस्तावना में ''समाजवादी'' और ''धर्मनिरपेक्ष'' शब्द नहीं थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा करने का आह्वान किया तो कांग्रेस आग बबूला हो गयी। कांग्रेस शायद भूल गयी है कि आपातकाल के दौरान जब सारा विपक्ष जेल में ठूँस दिया गया था तब इंदिरा गांधी की तत्कालीन सरकार ने संविधान की प्रस्तावना में जबरन दो शब्द जोड़ दिये थे। कांग्रेस को समझना चाहिए कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्द जब बाबा साहेब आंबेडकर के लिखे गये संविधान की प्रस्तावना में थे ही नहीं तो उस पर सवाल उठेंगे ही। ऐसा भी नहीं है कि आरएसएस ने ही पहली बार इन दोनों शब्दों पर सवाल उठाया हो। समाज के कई वर्गों की ओर से इन दोनों शब्दों को संविधान की प्रस्तावना में शामिल करने को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गयी थी। आरएसएस पर संविधान विरोधी होने का आरोप लगा रही कांग्रेस शायद भूल रही है कि उसकी सरकारों ने ही सर्वाधिक बार संविधान में संशोधन किये और संविधान की प्रस्तावना तक को संशोधित कर डाला। इंदिरा गांधी सरकार ने 1976 में 42वें संविधान संशोधन के जरिए प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द तब जोड़े थे जब देश में आपातकाल लगा था और विपक्ष के सारे नेता जेल में थे। यह सही है कि संविधान के अनुच्छेद 368 के अनुसार, संविधान में संशोधन किया जा सकता है और यह शक्ति संसद के पास है जो प्रस्तावना तक भी विस्तारित है। मंगर उस समय संसद ने लोकतंत्र की भावना के अनुरूप काम नहीं किया और विपक्ष की गैर-मौजूदगी में संशोधन के जरिये प्रस्तावना में भारत के वर्णन को ''संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य'' से बदलकर ''संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य'' कर दिया गया। उस समय राजनीतिक कारणों से संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द को डाला गया। कांग्रेस को इस बात का भी जवाब देना चाहिए कि जब प्रस्तावना को 26 नवंबर 1949 में संविधान सभा ने स्वीकार किया था, तब 1976 में उसे बदल क्यों दिया गया? कांग्रेस को इस बात का भी जवाब देना चाहिए कि 1976 में किये गये संशोधन के बाद भी संविधान की प्रस्तावना में क्यों लिखा है कि उसे 26 नवंबर 1949 को स्वीकार किया गया?

आरएसएस पर सवाल उठा रही कांग्रेस को यह भी पता होना चाहिए कि साल 2023 में नये संसद भवन में कामकाज के पहले दिन सांसदों को दी गई संविधान की प्रति में प्रस्तावना में ''समाजवादी'' और ''धर्मनिरपेक्ष'' शब्द नहीं थे। उस समय केंद्र सरकार ने तर्क दिया था कि यह मुद्रित प्रति ही मूल प्रस्तावना थी। कांग्रेस को समझना होगा कि संविधान में सामान्य संशोधनों और प्रस्तावना में किये गये संशोधन में बड़ा फर्क है। कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान अलोकतांत्रिक रूप से जो कार्य किया था अब उसे ठीक करने का आह्वान किया जा रहा है तो इसमें गलत क्या है? संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द रहें या नहीं रहें, यदि इस पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा के बाद फैसला करने की मांग की जा रही है तो इसमें गलत क्या है? यह वाकई हास्यास्पद है कि कांग्रेस आरएसएस के आह्वान को बाबा साहब के संविधान को नष्ट करने की साजिश बता रही है जबकि इसी पार्टी की सरकार ने बाबा साहेब के संविधान की प्रस्तावना से छेड़छाड़ की थी।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन मिलाजुला रहेगा। राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में विरोधी परेशानी उत्पन्न कर सकते हैं, लेकिन नौकरी और कार्यक्षेत्र में लगातार मेहनत करने से आपको लाभ मिलेगा। ग्रहों का शुभ संयोग आपकी कार्यशैली को बल देगा और सभी कार्य का परिणाम आपके पक्ष में लेकर आएगा, लेकिन खर्चे भी बढ़ सकते हैं।

वृष

आज भाग?य साथ दे रहा है और आपकी वाणी और नेतृत्व क्षमता में विस?तार होगा। व्यापारिक निर्णय में सोच-समझकर कदम बढ़ाएं। ऑफिस में आपके काम की सराहना होगी लेकिन कुछ गुप्त शत्रु आपकी प्रगति से ईर्ष्यालु रह सकते हैं। धन आगमन तो होगा परंतु व्यय पर संयम आवश्यक है। सरकारी योजनाओं से लाभ मिलने की संभावना बन रही है।

मिथुन

आज आर्थिक मामलों में सतर्कता से काम लेने की सलाह है। खर्चों की अधिकता और आर्थिक असंतुलन मिल रहा है। आपके सम?मान में वृद्धि के योग हैं। कार्य की अधिकता से मानसिक थकान हो सकती है, फिर भी किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से व्यवसाय में सकारात्मक गति मिलेगी।

कर्क

आज लाभ होगा। जॉब और व्यापार में प्रगति की स्थितियां बनेंगी, लेकिन बेवजह खर्चों से बचना होगा। किसी पुराने प्रॉजेक्ट में लाभ दिखेगा। वरिष्ठों की मदद से आप कार्यक्षेत्र में स्थिरता पा सकते हैं। नई नौकरी के लिए प्रयास करना या इंटरव्यू देना अत्यंत शुभ रहेगा।

सिंह

आज भाग्य साथ दे रहा है और आपके लिए उन्नति के योग बन रहे हैं। आपको अपने बॉस और वरिष्ठ लोगों से प्रशंसा प्राप्त होगी। व्यवसाय में निवेश करने की योजना बनेगी और नई साझेदारी लाभदायक सिद्ध होगी। फाइनेंस, बीमा, रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है।

कन्या

आज दिन का आरंभ थोड़ा तनाव वाला हो सकता है। दोपहर के बाद करियर में सकारात्मक परिवर्तन दिखेगा। व्यापारियों को विदेशी संपर्कों से लाभ मिल सकता है और आयात-निर्यात या टेक्नॉलजी से जुड़े व्यवसाय में विस्तार के योग हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई ज़िम्मेदारियां मिल सकती हैं जो उनके पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

तुला

आज ग्रहों की शुभ स्थिति लाभ का संकेत दे रही है। कारोबार में धन से जुड़ी योजनाओं में आपको बड़ा लाभ होगा। आपके अनुशासन में सुधार लाएगा। अभी की योजनाओं से भविष्य में बड़े लाभ होने की उम?मीद है। शिक्षा, काउंसलिंग, और लेखन से जुड़े जातकों को मान-सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक

आज दिन रणनीतिक निर्णय लेने के लिए अनुकूल है। आप साहसपूर्वक निर्णय लेंगे और उनका लाभ भी मिलेगा। जो लोग सुरक्षा सेवा, स्पोर्ट्स, आयुध, या डिफेंस सेक्टर से जुड़े हैं, उनके लिए यह दिन अत्यंत लाभकारी रहेगा। किसी पुराने क्लाइंट या कनेक्शन से अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

धनु

आज आज का दिन यात्राओं और विस्तार की योजनाओं के लिए शुभ है। जो लोग शिक्षा, अध्यापन, तकनीकी या मीडिया से जुड़े हैं, उन्हें कोई बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। विदेश से नौकरी या व्यापार के प्रस्ताव आ सकते हैं। हालांकि आर्थिक दृष्टि से दिन दबावपूर्ण हो सकता है, फिर भी आय के नए स्रोत खुलने की संभावना है।

मकर

आज लाभ और सम?मान में वृद्धि के योग बने हैं। गुरु की शुभ दृष्टि से व्यवसाय में स्थिरता और विस्तार प्राप?त होगा। जो लोग अकाउंटिंग, वित्त, कंस्ट्रक्शन, या लॉजिस्टिक्स से जुड़े हैं, उन्हें बड़े क्लाइंट मिल सकते हैं। स्टूडेंट्स को विदेश अध्ययन के लिए अप्रूवल मिल सकता है।

कुंभ

आज लाभ होगा और आपको व्यर्थ के खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। ऑफिस में नई चुनौतियां आएंगी, जिन्हें आप अपनी कार्यकुशलता से संभाल लेंगे। सॉफ्टवेयर, टेक्नॉलजी, रिसर्च या इनोवेशन से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है। व्यावसायिक साझेदारी में पारदर्शिता जरूरी है, वरना विवाद हो सकते हैं। धन प्राप्ति में थोड़ी देरी संभव है, लेकिन कार्यक्षमता में वृद्धि होगी।

मीन

आज दिन आर्थिक दृष्टिकोण से स्थिर रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए विचारों से आपको पहचान मिलेगी। लेखन, अध्यापन, स्पिरिचुअल और काउंसलिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए लाभ के संकेत हैं। परिवार या बच्चों से जुड़ा कोई खर्चा अचानक आ सकता है, लेकिन आप उसे संभाल लेंगे।00

संक्षिप्त समाचार

दलित व जनजाति वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति की समस्या का समाधान करें मुख्यमंत्री आदित्यनाथ : मायावती

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़ से संबद्ध कई जिलों के दर्जनों कालेजों के दलित व जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति का मामला उठाते हुए मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) से इसके समाधान का अनुरोध किया है। बसपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़ से संबद्ध कई जिलों के दर्जनों कालेजों के हजारों एससी/एसटी वर्ग (अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग) के छात्र व छात्राओं की छात्रवृत्ति का सरकारी स्तर पर अब तक सही से समय पर निपटारा नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि इसके कारण छात्र-छात्राओं के भविष्य के अधर में लटकने के खतरे से लोगों में भारी बेचैनी व आक्रोश व्याप्त है। पूर्व मुख्यमंत्री ने खुद को मिली जानकारी का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय व जिला प्रशासन की ओर से भी इस सम्बंध में बार-बार पत्राचार के बावजूद लखनऊ स्थित समाज कल्याण विभाग स्तर पर असंवेदनशीलता व लापरवाही बरती गई है। उन्होंने कहा कि इसी का परिणाम है कि लगभग 3,500 दलित छात्र व छात्राओं के शैक्षणिक जीवन पर भारी खतरा मंडरा रहा है। मायावती ने एक पोस्ट में कहा, चूंकि माननीय मुख्यमंत्री जी के विशेष प्रयासों से ही अलीगढ़ का उक्त विश्वविद्यालय स्थापित हुआ है, इसलिए आशा है कि वह इसके सुचारु संचालन में रूचि लेकर खासकर हजारों दलित छात्र/छात्राओं की गंभीर समस्या का तत्काल समाधान निकालेंगे। राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश में स्थित एक राज्य विश्वविद्यालय है, जिसका 14 सितंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिलान्यास किया था। इस विश्वविद्यालय से संबद्ध कई जिलों के कॉलेजों में पढ़ने वाले दलित और जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिलती है। कुछ छात्रों ने शिकायत की है कि उनके छात्रवृत्ति फॉर्म विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा निरस्त कर दिए गए हैं।

मुंबई हवाई अड्डे पर थाईलैंड से आए यात्री के पास से मिले 16 जिंदा सांप, गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर थाईलैंड से आए एक यात्री का पकड़ा गया है जिसके पास से केन्याई सैंड बोआ और होंडुरन मिल्क स्नेक सहित 16 जीवित सांप मिले हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार रात को थाईलैंड की राजधानी बैंकाक से मुंबई पहुंचने पर सीमा शुल्क कर्मचारियों ने यात्री को रोक लिया। उन्होंने बताया कि यात्री के सामान में 16 जीवित सांप मिले, जिनमें दो केन्याई सैंड बोआ, पांच राइनोसरस रैट स्नेक, तीन अल्बिनो स्नेक, दो होंडुरन मिल्क स्नेक , एक कैलिफोर्निया किंगस्नेक, दो गार्टर स्नेक और एक अल्बिनो रैट स्नेक शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो और सीमा शुल्क विभाग वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सांपों को उनके मूल देश में वापस भेजने के लिए काम कर रहे हैं।

मणिपुर में दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, एजेंसी। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के बिष्णुपुर और तेंगनौपाल जिलों से प्रतिबंधित संगठन से जुड़े दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। ये गिरफ्तारियां शनिवार को की गईं। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबंगनबा) के एक सक्रिय सदस्य को बिष्णुपुर में ओइनम उषाखांगदाबी स्थित उसके आवास से पकड़ा गया, जबकि प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सदस्य को भारत-म्यांमा सीमा के पास तेंगनौपाल में पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को इंफाल पूर्व जिले में नगारियान हिल के पास एक अभियान के दौरान एक राइफल, बंदूकें, कारतूस और एक हथगोला समेत हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया था।

कौन हैं कांग्रेस के पूर्व विधायक, जिनकी ईडी ने जब्त कर ली है 638 करोड़ की संपत्ति

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े मामले में हरियाणा के पूर्व कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छोकर और उनसे जुड़ी कंपनियों की 557 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली। इस कार्रवाई के साथ इस मामले में अब तक जब्त कुल संपत्ति की राशि 638 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। यह मामला महिरा इन्फ्राटेक लिमिटेड जो कि पहले साई आइना फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी और चौकर के सहयोगियों से जुड़ा है। जब्त की गई संपत्तियों में गुरुग्राम के सेक्टर 68, 103 और 104 में फैली 35 एकड़ जमीन, रिहायशी और व्यावसायिक संपत्तियां शामिल हैं। ईडी के अनुसार, आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज और जाली बैंक गारंटी के जरिए गुरुग्राम में सस्ती आवासीय परियोजनाओं के लिए लाइसेंस हासिल किए। इन परियोजनाओं के नाम पर करीब 3,700 लोगों से 616 करोड़ रुपये वसूले गए। इसके बावजूद कंपनी ने मकान समय पर डिलीवर नहीं किए और कथित तौर पर फंड्स की हेराफेरी की गई।

हिमाचल प्रदेश में मल्टी टास्क वर्करों का मानदेय बढ़ा, 500 पशु मित्रों की होगी भर्ती; कैबिनेट के फैसले

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने पशुपालन विभाग में 500 पशु मित्रों के पदों को भरने की मंजूरी दी है। इन्हें पांच हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। बैठक में लोक निर्माण विभाग के मल्टी टास्क वर्करों के मानदेय में 500 रुपए की बढ़ोतरी कर उसे 5500 रुपए प्रतिमाह करने को स्वीकृति दी गई। इससे लगभग 5 हजार वर्करों को फायदा होगा।

इसके अलावा प्रदेश की सभी 3645 पंचायतों में आपदा की स्थिति में त्वरित राहत व बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए 'पंचायत आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र' स्थापित करने की भी मंजूरी प्रदान की है। बैठक में पे मैट्रिक्स लेवल-11 के पदों को ग्रुप-बी से ग्रुप-सी में पुनर्वर्गीकृत करने का भी निर्णय लिया गया, जिससे अब केवल हिमाचल प्रदेश के मूल निवासी ही इन पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे। पूर्व में ये पद ग्रुप-बी में आते थे और भर्ती हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती थी। अब इन्हें ग्रुप-सी श्रेणी में रखते हुए भर्ती हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग द्वारा की जाएगी।

कैबिनेट ने दूध प्रोत्साहन योजना शुरू करने को भी स्वीकृति दी है। इसके अंतर्गत गैर-सरकारी डेयरी सहकारी समितियों को दूध आपूर्ति करने वाले किसानों को प्रति लीटर तीन रुपए की

सब्सिडी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रदान की जाएगी। इसके अलावा पर्यटन गतिविधियों को विकेंद्रीकृत करने और शिमला शहर पर बोझ कम करने के लिए हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम का मुख्यालय शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने को भी मंजूरी दी है। यह कांगड़ा को राज्य की पर्यटन राजधानी के रूप में विकसित करने के सरकार के विजन का हिस्सा है।

बैठक में जिला पुलिस देहरा की पुलिस लाइनों में विभिन्न श्रेणियों के 101 पदों के सृजन और उन्हें भरने की भी स्वीकृति प्रदान की गई। स्वरोजगार को बढ़ावा देने और परंपरागत ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता घटाने के लिए मंत्रिमंडल ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए ब्याज सब्सिडी योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत जनजातीय क्षेत्रों में 100 किलोवाट से 1 मेगावाट तक की परियोजनाओं के लिए 5 प्रतिशत और गैर-जनजातीय क्षेत्रों में 250 किलोवाट से 2 मेगावाट तक की परियोजनाओं के लिए 4 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी प्रदान की जाएगी।

मंत्रिमंडल ने ग्रीन पंचायत योजना के तहत हिमुर्जा और चयनित ग्राम पंचायतों के बीच 100 पंचायतों में 500 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की अनुमति भी दी है। प्रत्येक परियोजना से लगभग 25 लाख रुपए प्रति माह राजस्व अर्जित होने की संभावना है, जिसमें से 40 प्रतिशत आय संबंधित ग्राम पंचायतों को, 30 प्रतिशत हिमुर्जा को, 20 प्रतिशत राज्य सरकार को तथा शेष 10 प्रतिशत आय अनाथों और विधवाओं के कल्याण के लिए ग्राम पंचायतों को दी जाएगी।

ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालों पर मान सरकार का ऐक्शन, जेल विभाग के 26 कर्मचारी सस्पेंड

लुधियाना , एजेंसी। पंजाब सरकार ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में जेल विभाग के 26 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। राज्य के जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने बताया कि यह निलंबन पंजाब सिविल सेवा (दंड और अपील) नियम, 1970 के तहत तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। निलंबित कर्मचारियों में मनसा जिला जेल के अधीक्षक इकबाल सिंह बरार, लुधियाना केंद्रीय जेल के उप अधीक्षक मनींदर पाल चीमा, लुधियाना बोर्स्टल जेल के उप अधीक्षक अनिल भंडारी और लुधियाना केंद्रीय जेल के उप अधीक्षक संदीप बरार शामिल हैं। मंत्री भुल्लर ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब में सुशासन मुहैया के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की ओर से कर्तव्य में लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई प्रशासनिक अनुशासन को बनाए रखने और जेल व्यवस्था में सुधार के लिए की गई है। दूसरी ओर, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी के लिए कड़ी सजा सुनिश्चित करने के लिए एक विधेयक लाएगी। उन्होंने 'सर्व धर्म बेअदबी रोको कानून मोर्चा' के पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कानून का मसौदा तैयार करने में धार्मिक संगठनों सहित सभी हितधारकों से परामर्श किया जाएगा।

हिंदी थोपने से 90 हजार छात्र फेल, तमिलनाडु के मंत्री का बड़ा दावा; केंद्र सरकार पर सवाल

चेन्नई, एजेंसी। इस समय हिंदी भाषा को लेकर दक्षिण भारतीय राज्यों में बवाल मचा हुआ है। इन सबके बीच तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री अन्बिल महेश पोयामोझी ने कर्नाटक को लेकर एक दावा किया है। इस दावे के मुताबिक कर्नाटक में हिंदी भाषा थोपने के चलते 90 हजार स्टूडेंट बोर्ड एग्जाम में फेल हो गए। तमिलनाडु के मंत्री ने यह बातें स्कूल कॉम्पटीशन के दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हुए केंद्र सरकार की लैंग्वेज पॉलिसी और एजुकेशन फंडिंग पर सवाल उठाए।

छात्रों के लिए होना चाहिए विकल्प : मंत्री ने आगे कहाकि भाषा सीखना छात्रों के लिए एक विकल्प होना चाहिए। उन्होंने कहाकि तीसरी भाषा एक विकल्प होना चाहिए, न कि एक मजबूरी। साथ ही शिक्षा नीतियों में लचीलापन की जरूरत पर जोर दिया। केंद्र सरकार पर सीधा हमला करते हुए, अन्बिल महेश ने संघीय सरकार पर उच्च प्रदर्शन करने वाले राज्यों जैसे तमिलनाडु और केरल से महत्वपूर्ण शिक्षा फंड रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहाकि केंद्र राज्यों को शिक्षा फंड दबाकर धमकी दे रहा है। लेकिन मुख्यमंत्री स्टालिन ने हस्तक्षेप किया है और आश्वासन दिया है कि राज्य पूरी लागत वहन करेगा।

कनिमोझी ने दिया अमित शाह को जवाब : इससे पहले डीएमके सांसद कनिमोझी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस दावे का जवाब दिया कि हिंदी किसी भी भाषा की दुश्मन नहीं है। कनिमोझी ने इसी आधार पर तमिल का समर्थन किया। उन्होंने उत्तर भारतीयों से दक्षिण भारतीय भाषाएं सीखने का आग्रह किया। उन्होंने कहाकि अगर हिंदी किसी भी भाषा की दुश्मन नहीं है, तो तमिल भी किसी भी भाषा की दुश्मन नहीं है। उन्हें तमिल सीखने दें।

उन्होंने कहाकि उत्तरी भारत के लोगों को कम से कम एक दक्षिण भारतीय भाषा सीखने दें। यही सच्चा राष्ट्रीय एकीकरण है। शाह ने हाल ही में कहा था कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि सभी भाषाओं की मित्र है। उन्होंने कहा था कि देश में किसी भी भाषा के खिलाफ कोई विरोध नहीं होना चाहिए।

दिल्ली के बुराड़ी थाने में घूस लेता पकड़ा गया हेड कॉन्स्टेबल, विजिलेंस की रेड के बीच आया हार्ट अटैक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की विजिलेंस ब्रांच ने बुराड़ी थाने में तैनात एक हेड कॉन्स्टेबल को शुक्रवार रात 25 हजार रुपये की घूस लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। विजिलेंस की कार्रवाई के दौरान आरोपी हेड कॉन्स्टेबल सुरेंद्र को दिल का दौरा पड़ गया। इसके चलते उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोप है कि हेड कॉन्स्टेबल ने मोबाइल टावर नहीं हटाने के एवज में शिकायतकर्ता से 75 हजार रुपये की घूस मांगी थी। वेस्ट कमल विहार निवासी व्यक्ति ने अपने घर की छत पर मोबाइल टावर लगवाया था। इसे लेकर आसपास के लोगों ने थाने में शिकायत की थी। पीड़ित का आरोप है कि पहले एक हेड कॉन्स्टेबल ने शिकायत का निस्तारण करने के लिए रुपये मांगे थे। बाद में वह विभागीय ट्रेनिंग पर चला गया। इसके बाद एक अन्य हेड कॉन्स्टेबल सुरेंद्र ने उनसे संपर्क किया। सुरेंद्र ने पीड़ित से 75 हजार रुपये देने की मांग की, तो पीड़ित ने विजिलेंस ब्रांच में इसकी शिकायत कर दी। विजिलेंस के कहने पर पीड़ित रुपये किश्तों में देने पर सहमत हो गया। पीड़ित के आरोपी को रुपये देने के बाद विजिलेंस एसीपी और एसएचओ थाने में पहुंच एग। इस बीच सुरेंद्र को शक हो गया और उसने घूस के रुपये अपने साथी हेड कॉन्स्टेबल को सौंप दिए।

हिमाचल में बारिश बनी आफत, चंडीगढ़-शिमला नेशनल हाइवे पर भूस्खलन

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मानसून की भारी बारिश हो रही है। बीती रात से लगातार जारी मूसलधार बारिश ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सड़कों पर भूस्खलन, पेड़ों के गिरने और नदी-नालों के उफान पर आने से हालात चिंताजनक बने हुए हैं। मौसम विभाग ने आज और कल के लिए भारी से बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि पांच जुलाई तक व्यापक वर्षा की चेतावनी दी गई है।

चक्की मोड़ पर फिर टूटी नेशनल हाईवे-05 की रफ्तार

सोलन जिले के परवाणू थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चण्डीगढ़-शिमला नेशनल हाईवे-5 पर स्थित चक्की मोड़ के पास रविवार को भारी भूस्खलन हुआ। इससे चंडीगढ़-शिमला मार्ग करीब डेढ़ घंटे तक पूरी तरह बंद रहा। बारिश के चलते पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने से सड़क बाधित हो गई थी। कड़ी मशक्कत के बाद राष्ट्रीय उच्च मार्ग प्राधिकरण और पुलिस ने एक लेन को साफ कर यातायात आंशिक रूप से बहाल किया। फिलहाल वाहनों की आवाजाही एक ही लेन से हो रही है, जिसे पुलिस टीमों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। इससे पहले पिछली बरसातों में भी चक्की मोड़ पर बारिश के चलते सड़क पूरी तरह बह गई थी और एनएच-05 कई दिनों तक बंद रहा था। इस बार भी मानसून की भारी बारिश में वैसी ही स्थिति दोबारा बन गई है। सड़क का वैकल्पिक मार्ग जंगेशू रोड भी भूस्खलन की चपेट में आ गया है, जिसे खोलने का कार्य तेजी से चल रहा है। इस मार्ग के बहाल होने के बाद कसौली से चंडीगढ़ की ओर जाने वाला ट्रैफिक वहां से डायवर्ट किया जाएगा। कालका-शिमला हेरिटेज ट्रैक पर मलबा, ट्रेन सेवा पर असर कालका-शिमला हेरिटेज

रेलवे ट्रैक पर सोलन में पेड़ और पत्थर गिरने से रेल सेवा प्रभावित हुई है। ट्रैक से मलबा हटाने का कार्य जारी है। इससे पर्यटकों और स्थानीय यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सोलन के उपायुक्त मनमोहन शर्मा ने बताया कि जिले में 24 घंटे का इमरजेंसी ऑपरेशन सिस्टम सक्रिय है। सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और नदी-नालों से दूरी बनाए रखें। बीबीएन क्षेत्र में नदी किनारे बसी बस्तियों को अलर्ट कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। शिमला में लैंडस्लाइड से खतरा, पेड़ गिरने से सड़कें बाधित राजधानी शिमला और उसके आसपास के इलाकों में भी भारी बारिश के चलते कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। खलीनी के मिस्ट चैंबर क्षेत्र में लैंड स्लाइड के कारण दो मकानों को खतरा पैदा हो गया है। यह भू-स्खलन पास में चल रहे निर्माण कार्य के कारण हुआ है। पंथाघाटी-जुंगा मार्ग पर बेल्स इंस्टीट्यूट के पास एक विशालकाय पेड़ गिर गया, जिससे सड़क अवरुद्ध हो गई। वहीं चमयाना स्थित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को जाने वाली सड़क पर जगह-जगह मलबा आने के कारण लोगों को पैदल ही अस्पताल तक पहुंचना पड़ा। मंडी में सबसे ज्यादा बारिश, ब्यास नदी के लिए अलर्ट प्रदेश में बीते 24 घंटों के दौरान सबसे अधिक बारिश मंडी जिले के जोगिंदरनगर में 135 मिमी दर्ज की गई। सोलन के कसौली में 125, काहू में 119, सिरमौर के पांवटा साहिब में 116, सुंदरनगर में 96, शिमला में 91, कुफरी में 89 और बिलासपुर में 86 मिमी बारिश हुई है। मौसम विभाग ने लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर शेष दस जिलों में अगले 24 घण्टे फ्लैश फ्लड का अलर्ट जारी किया है। वहीं मंडी जिला प्रशासन ने चेतावनी दी है कि पंडोह डैम के गेट आज खोले जा सकते हैं।

एक दिन में यूपी की आबादी से ज्यादा रोपे जाएंगे पौधे, अगले महीने योगी सरकार चलाएगी बड़ा अभियान

लखनऊ, एजेंसी। अगले महीने, जुलाई में एक दिन में प्रदेश की आबादी से ज्यादा पौधे रोपे जाएंगे। वन महोत्सव की तैयारियों के संबंध में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च स्तरीय बैठक में तैयारियों की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान को प्रदेशव्यापी जन आंदोलन का रूप दिया जाए। वृक्षारोपण महाभियान- 2025 का लोगो जारी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम थीम पर आधारित इस पौधरोपण अभियान में हमारा सामूहिक प्रयास प्रदेश को हीटवेव से ग्रीनवेव की तरफ ले जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जितना महत्वपूर्ण पौधारोपण है, उतनी ही गंभीरता से पौधों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से 2024 के बीच प्रदेश में 204.92 करोड़ से ज्यादा पौधे रोपे जा चुके हैं। देहरादून स्थित भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट के मुताबिक 2017 से 2023 के बीच यूपी के हरित आवरण में तीन लाख एकड़ से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन महोत्सव की

अवधि में जन्म लेने वाले सभी नवजात को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट दिया जाए। शिशुओं के अभिभावकों को एक पौधा भेंट किया जाए। यह पर्यावरणीय चेतना को व्यक्तिगत जीवन से जोड़ने का अभिनव प्रयोग होगा, जिसमें पौधे की देखभाल की जिम्मेदारी उसी भावना से निभाई जाएगी जैसे किसी नवजात की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार 35 करोड़ पौधे रोपे जाने हैं। यह संख्या यूपी की कुल आबादी से ज्यादा है। मुख्यमंत्री ने अभी से तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए और कहा कि पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाए।

विद्यालयों, अस्पतालों में कराएं पौधरोपण : मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रोजेक्ट अलंकार के तहत लाभान्वित विद्यालयों में पौधरोपण हो। सभी मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में सहजन सहित छायादार पेड़ लगाए जाएं ताकि इन संस्थानों में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भविष्य में इसका लाभ मिल सके। औद्योगिक इकाइयों के परिसरों में सघन पौधरोपण कराया जाए, जिससे औद्योगिक वातावरण अधिक हरित और स्वस्थ बन सके। सभी निराश्रित गो-आश्रय स्थलों में नीम, पाकड़, पीपल जैसे पौधों का रोपण हो। उन्होंने कहा कि अभियान में जनसहभागिता सुनिश्चित हो। नुक्कड़ नाटकों, चित्रकला,प्रभात फेरियों जैसे कार्यक्रमों से लोगों को जागरूक करें। वन महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नदियों के पुनर्जीवन को भी केंद्र में रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में किए गए संरक्षण प्रयासों से सकारात्मक परिणाम मिले हैं।

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऐलान में क्यों हो रही देरी?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया में काफी देरी हो चुकी है। ऐसा कहा जा रहा है कि बीजेपी नेतृत्व और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच फिलहाल किसी एक नाम पर सहमति नहीं बनी है। हालांकि, भगवा पार्टी के सूत्र का कहना है कि जल्द ही इस पर आम सहमति बनने की संभावना है। भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी संभव होता है जब पार्टी के कम से कम 19 राज्यों में अध्यक्ष नियुक्त हो चुके हों। अभी तक पार्टी ने 37 में से 14 राज्यों में नए अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। बाकी राज्यों जैसे कि उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में भी जल्द ही नियुक्तियां की जाएंगी। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि 18 राज्यों में जिला अध्यक्षों का चुनाव पूरा हो चुका है या अंतिम चरण में है। अगले कुछ हफ्तों में 19 राज्यों का आंकड़ा पूरा हो जाएगा। भाजपा के संविधान में सभी स्तरों पर प्रमुखों के चुनाव के लिए एक ही फॉर्मूला तय किया गया है। आधे बूथ अध्यक्षों के चुनाव खत्म होने के बाद, मंडल प्रमुख का चुनाव होता है। आधे मंडल अध्यक्षों के चुनाव के बाद, जिला प्रमुखों के लिए रास्ता साफ हो जाता है। जब आधे जिला इकाई अध्यक्षों का चुनाव हो जाता है, तो प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जा सकती है। 37 राज्यों में

भाजपा के प्रदेश अध्यक्षों के ऐलान के बाद पार्टी नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की ओर बढ़ती है। पार्टी और संघ के बीच सहमति बनाने की प्रक्रिया चल रही है, जिससे चयन में थोड़ी देरी हुई। उम्मीदवार की उम्र, समाजिक पृष्ठभूमि और भौगोलिक क्षेत्र को ध्यान में रखा जा रहा है। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाई जा रही है। कुछ नाम जो चर्चा में हैं वे वर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं, इसलिए कैबिनेट में संभावित फेरबदल की भी बात की जा रही है। बीजेपी सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जुलाई के दूसरे सप्ताह में विदेश यात्रा से लौटने के बाद पार्टी नए अध्यक्ष की घोषणा कर सकती है। पार्टी ने इस बीच महाराष्ट्र, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त कर दिए हैं। भाजपा के नए अध्यक्ष के सामने कई चुनावी चुनौतियां होंगी। नए अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी को आगामी चुनावों का सामना करना है।

प्रशांत किशोर के आरोपों पर शांभवी चौधरी ने किया पलटवार, बोलीं- यह सामंती मानसिकता को दर्शाता है

जमुई , एजेंसी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर पर निशाना साधते हुए कहा कि एक दलित महिला जो आगे बढ़ रही है, उसे निशाना बनाना सामंती मानसिकता को दर्शाता है। किशोर ने आरोप लगाया है कि उनके पिता, बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने उनके लोकसभा टिकट के लिए पैसे दिए हैं। पिछले महीने, बिहार के जमुई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, किशोर ने आरोप लगाया था कि जेडी(यू) नेता अशोक चौधरी ने अपनी बेटी शांभवी के लिए समस्तीपुर लोकसभा टिकट हासिल करने के लिए एलजेपी (रामविलास) को पैसे दिए थे, जिन्होंने 25 साल की उम्र में 2024 के आम चुनावों में सीट जीती और सबसे कम उम्र की सांसदों में से एक बन गईं।

बाद में, बिहार के मंत्री और जेडी(यू) के वरिष्ठ नेता अशोक चौधरी ने किशोर के खिलाफ उनके आरोप को लेकर मानहानि का मुकदमा दायर किया। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में, शांभवी ने किशोर पर उनकी सामंती मानसिकता के लिए हमला किया। उन्होंने किशोर की टिप्पणियों को एक व्यक्तिगत हमला बताया, और सवाल किया कि जब उनकी पार्टी में कई अन्य सांसद हैं, तो उन्हें क्यों निशाना बनाया गया।

लोकसभा सांसद ने कहा कि जन सुराज पार्टी के प्रमुख के आरोप उनके अहंकार को दर्शाते हैं।

तीसरी पीढ़ी की राजनीतिज्ञ के रूप में, शांभवी ने जोर देकर कहा कि राजनीति विचारधाराओं के बारे में होनी चाहिए, न कि व्यक्तिगत हमलों के बारे में। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, मुझे नहीं लगता कि प्रशांत किशोर उस समय के लायक हैं ... जिन पर खर्च किया जाना चाहिए। हां, मुझे लगता है कि यह एक व्यक्तिगत हमला था। मैं एक राजनीतिक परिवार से आती हूं, और मैं तीसरी पीढ़ी की राजनीतिज्ञ हूं। एक बात जो मैंने वर्षों में सीखी है, वह यह है कि राजनीति विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है, न कि व्यक्तियों के बीच। व्यक्तिगत हमलों से हमेशा बचना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राजनीति व्यक्तियों के बीच की लड़ाई नहीं है; हम लोगों और अपनी विचारधारा के लिए लड़ते हैं। प्रशांत किशोर ने जानबूझकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मुद्दे को उठाया; यह ऐसा कुछ नहीं था जिसका उन्होंने निजी तौर पर उल्लेख किया हो। उन्होंने मेरी राजनीतिक पृष्ठभूमि को लेकर मुझे निशाना बनाया, और मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा क्यों हुआ। शंभवी ने इस बात पर जोर दिया कि किशोर की टिप्पणी उनकी सामंती मानसिकता को दर्शाती है।

एशिया कप भारत में, लेकिन पाकिस्तान यहां नहीं खेलेगा

● भारत भी चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पाकिस्तान नहीं गया था; 10 सितंबर से हो सकता है टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप होने को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद अब धीरे-धीरे कम होता दिख रहा है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में होने वाला एशिया कप 10 सितंबर से शुरू हो सकता है। हालांकि, एशियन क्रिकेट काउंसिल ने इस पर अब तक कुछ भी नहीं कहा है। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल यानी दूसरे देश में खेले जाएंगे। ऐसे में न्यूट्रल वेन्यू श्र हो सकता है। इससे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण टूर्नामेंट पर सवाल उठ रहे थे। फरवरी में हुई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद भारत के सभी मैच UAE में खेले गए थे।

नेपाल अगस्त में ऑस्ट्रेलिया में जाकर खेलेगा टॉप एंड टी20 सीरीज

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि ऑस्ट्रेलिया के डारविन में 14 से 24 अगस्त के बीच होने वाली टॉप एंड टी20 सीरीज में वह चार में से एक अंतर्राष्ट्रीय टीम होगी। नेपाल के लिए ये सीरीज 2026 टी20 विश्व कप में जगह बनाने की तैयारी के तौर पर बड़ी भूमिका अदा कर सकती है। 2026 टी20 विश्व कप में अभी भी तीन स्थान खाली हैं, ये विश्व कप अगले साल भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाना है। आईसीसी टी20 विश्व कप क्वालिफायर्स अक्टूबर में ओमान में आयोजित किया जाएगा, जिसके जरिए नेपाल के पास विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने का मौका होगा। नेपाल अगस्त की शुरुआत में डारविन पहुंच जाएगी, जहां उन्हें कम से कम छह टी20 मुकाबले खेलने हैं। ये सभी मैच कैजली एरेना के स्टेडियम में खेले जाएंगे। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ नेपाल (सीएएन) के सचिव पारस खड़का ने कहा, टॉप एंड सीरीज में शिरकत करते हुए हम काफी उत्साहित हैं। इससे हमें खुद को प्रतिस्पर्धी माहौल में तैयार करने के लिए बड़ी मदद मिलेगी। हमारा लक्ष्य इस सीरीज के जरिए खुद को इस तरह तैयार करने पर है ताकि 2026 टी20 विश्व कप के लिए हमें क्वालिफाई करने में मदद मिल सके।

अंपायर के खिलाफ आवाज उठाना पड़ा महंगा, वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी को ICC ने सुनाई सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया 180 पर ढेर हो गई थी, वेस्टइंडीज भी 190 रन ही बना पाई थी. उन्होंने 10 रन की बढ़त हासिल की, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने 310 रन बनाकर लक्ष्य 301 रनों का दिया. वेस्टइंडीज 141 रनों पर ऑल आउट हो गई. मैच में अंपायर के कई फैसले विवादित रहें, जो अधिकतर मेजबान के विरोध में गए. इससे नाराज कोच डैरेन सैमी ने अंपायर का नाम लेकर फैसलों पर सवाल उठाए थे. वेस्टइंडीज बनाम ऑस्ट्रेलिया पहले टेस्ट में थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक थे, उनके 5 फैसले विवादित रहे और इनमें से 4 वेस्टइंडीज के खिलाफ गए. कोच डैरेन सैमी ने प्रेस कांफ्रेंस में नाम लेकर थर्ड अंपायर के फैसलों पर आपत्ति जताई थी. इसके बाद आईसीसी ने उनको सजा सुनाई. डैरेन सैमी ने क्या कहा सैमी ने प्रेस कांफ्रेंस में अंपायर का नाम लेकर कहा था कि ऐसे गलत फैसलों की वजह से मैच हमारे खिलाफ गया. उन्होंने कहा कि क्या इस टीम के खिलाफ कुछ है? जब एक के बाद एक ऐसे गलत फैसले देखते हो तो सवाल तो उठेंगे ही. उनके आलावा कप्तान रॉस्टन चेज ने भी सवाल उठाए थे. ढ्ढष्ट ने लगाया जुर्माना आईसीसी ने डैरेन सैमी पर डिमेरिट अंक जोड़ा और मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माने के रूप में काटा. वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडेन सील्स पर भी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगा. उन्होंने पैट कमिंस को आउट करने के बाद कुछ इशारे किए थे, इस कारण उन्हें सजा दी गई. वेस्टइंडीज के कप्तान रॉस्टन चेज ने भी अंपायर के फैसलों पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि खिलाड़ियों को गलत करने पर सजा मिलती है लेकिन अंपायर के साथ कुछ भी नहीं होता. दरअसल एक फैसला चेज के खिलाफ भी गया था. टेस्ट के दूसरे दिन पैट कमिंस ने उन्हें एलबीडबल्यू आउट किय, लेकिन उन्होंने इस पर ष्ठक्र ले लिया. अल्ट्रा एज में दिखा कि जब गेंद बल्ले के पास थी तो कुछ स्पाइक है, लेकिन थर्ड अंपायर ने उन्हें आउट ही दिया.

इंडिया-इंग्लैंडः

श्रेयस की टेस्ट टीम में वापसी अभी इन खिलाड़ियों की वजह से संभव नहीं

• पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने गिनाए नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए जब भारतीय टीम का ऐलान किया गया था तब उसमें श्रेयस अय्यर का नाम नहीं था। श्रेयस को घरेलू स्तर पर अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में जगह नहीं दी गई थी।

श्रेयस के चयन पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा था कि उनका प्रदर्शन अच्छा था, लेकिन फिलहाल टीम में जगह खाली नहीं थी। भारतीय मध्यक्रम में है कड़ी प्रतिस्पर्धा अब श्रेयस अय्यर को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह क्यों नहीं दी गई इसको लेकर पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बताया। आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय मध्यक्रम में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है और इसकी वजह से श्रेयस का इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में चुने जाने की संभावना काफी कम थी। आकाश चोपड़ा का मानना है कि सरफराज खान और ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ी भी अभी मौके के इंतजार में हैं और इसलिए श्रेयस को अभी टेस्ट टीम में वापसी के लिए इंतजार करना होगा। श्रेयस को करना होगा सही मौके का इंतजार आकाश चोपड़ा ने श्रेयस अय्यर के बारे में बात करते हुए कहा कि उनकी बल्लेबाजी समस्या नहीं है। उन्हें टेस्ट टीम में तुरंत मौका नहीं मिलेगा और उन्हें सही मौके का इंतजार करना होगा।

वह इंग्लैंड दौरे के लिए भी टीम में जगह नहीं बना पाते क्योंकि अभी कई दूसरे खिलाड़ी कतार में हैं और उन्हें अभी तक मौके नहीं मिले हैं। आकाश ने कहा कि करुण नायर ने अभी-अभी वापसी की है और सरफराज खान को कोई मौका नहीं दिया जा रहा है। ध्रुव जुरेल बाहर बैठे हैं। अगर पहले से ही टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों को मौका नहीं दिया जा रहा है तो श्रेयस को मौका कैसे मिल सकता है।श्रेयस को धैर्य रखने की जरूरत आकाश चोपड़ा ने यह भी माना कि श्रेयस अय्यर ने पिछले दिनों घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन इस बात पर जोर दिया कि उन्हें धैर्य रखना चाहिए और टेस्ट क्रिकेट में अपने मौके का इंतजार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि उनका प्रथम श्रेणी सीजन और आईपीएल 2025 काफी अच्छा रहा जिसमें उन्होंने पंजाब किंग्स को अपनी कप्तानी में फाइनल तक पहुंचाया।

छक्का लगाते ही हो गई बल्लेबाज की मौत, खेल के मैदान पर ली आखिरी सांस

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल के मैदान में कई बार खिलाड़ियों की मौत की दुखद खबर देखने को मिलती है। पंजाब के फिरोजपुर स्थित क्रिकेट मैच के दौरान भी ऐसी ही कुछ देखने को मिला जब बल्लेबाज की छक्का लगाते ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक छक्का लगाने के तुरंत बाद खिलाड़ी को हार्ट अटैक आ गया जिस कारण उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। घटना एक निजी स्कूल के ग्राउंड की है और मरने वाले खिलाड़ी का नाम हरजीत सिंह बताया जा रहा है। इस घटना का वीडियो साथ खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों ने कैमरे में कैद कर लिया था। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक बल्लेबाजी कर रहा है और एक बॉल पर सिक्सर शॉट खेलता है। छक्का लगाने के बाद खिलाड़ी क्रीज पर ही बैठ जाता है जिसके बाद नॉन स्ट्राइक पर खड़ा बल्लेबाज भी उसके साथ आकर बैठता है। इस दौरान स्टाइकर जमीन पर गिर जाता है और सभी साथी खिलाड़ी दौड़कर उसे देखते हैं। उक्त खिलाड़ी के जमीन पर गिरने के बाद उसे प्राथमिक उपचार के तहत सीपीआर (हार्ट को पंप करना) भी दी जाती है। लेकिन उसकी मौत हो जाती है।

स्मृति मंधाना सभी प्रारूपों में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेले गए पहले टी20 मैच में शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वह तीनों प्रारूपों में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। वह हरमनप्रीत कौर के बाद टी20 शतक बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला भी बन गई हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में मंधाना ने 62 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवरों में 210/5 का विशाल स्कोर बनाया। यह टी 20 मैचों में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय महिला टीम का शीर्ष स्कोर है। भारतीय टीम ने 14.5 ओवर में इंग्लैंड को 113 रन पर समेट कर मैच 97 रन से जीता और पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मंधाना नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर के सिर में चोट लगने की वजह से इस मैच में कप्तान भी थी। मंधाना के टी 20 करियर पर नजर डालें तो 149 मैचों में एक शतक और 30 अर्धशतक की मदद से 3,873 रन बनाए हैं। मंधाना भारत की तरफ से टी 20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। वहीं, ओवरऑल न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के बाद दूसरे नंबर पर हैं। हरमनप्रीत कौर भारत की तरफ से दूसरे और ओवरऑल तीसरे स्थान पर हैं। 102 वनडे मैचों में 11 शतक और 31 अर्धशतक की मदद से मंधाना ने 4,473 रन बनाए हैं। वहीं सात टेस्ट मैचों में दो शतक की बदौलत उन्होंने 629 रन बनाए हैं। मंधाना ने 2024 में वनडे फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया था। पिछले साल उन्होंने चार वनडे शतक लगाए। किसी अन्य महिला बल्लेबाज ने एक साल में तीन से अधिक शतक नहीं लगाए हैं। इस प्रदर्शन की बदौलत मंधाना को आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया। वहीं आईसीसी की महिला वनडे टीम ऑफ द ईयर में भी शामिल किया गया। जून 2018 में बीसीसीआई ने मंधाना को सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर के पुरस्कार से सम्मानित किया था।

लॉर्ड्स अच्छा है, लेकिन...

रवि शास्त्री ने WTC फाइनल के लिए नए मैदान की सिफारिश की

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने नए मैदान की सिफारिश की है। शास्त्री ने कहा कि इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट के विकास के लिए एक आदर्श स्थल बना हुआ है, हालांकि एकमात्र मैच बाद में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्थलों पर खेला जा सकता है। पिछले छह वर्षों में लगातार तीन ढ्ढष्ट फाइनल इंग्लैंड के तीन अलग-अलग स्टेडियमों में खेला गया है। साउथेम्प्टन के रोज बाउल ने उद्घाटन फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड की मेजबानी की। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने ओवल में WTC 2023 का फाइनल भारत के खिलाफ जीता। इस महीने की शुरुआत में ट्रॉफी लंदन लौटी जिसमें प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक शानदार मैच में प्रोटियाज ने टेम्बा बावुमा की कप्तानी में 27 साल के ICC ट्रॉफी सूखे को समाप्त किया। लंदन में होने वाले इस आयोजन में लंबे प्रारूप के लिए तटस्थ क्रिकेट प्रेमी भीड़ जुटती रहती है, लेकिन शास्त्री को लगता है कि भविष्य में पर्याप्त दर्शक मिलने के बाद चैंपियनशिप का फाइनल भारत के नरेंद्र मोदी स्टेडियम और ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड जैसे विशाल स्टेडियमों में आयोजित किया जा सकता है। विजडन क्रिकेट पॉडकास्ट में शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि शुरुआत में अगर यह यहीं (लॉर्ड्स) हो तो अच्छा रहेगा। एक बार जब इसे वह लोकप्रियता और प्रशंसा मिल जाए जिसके यह हकदार है, तो इसे स्थानांतरित किया जा सकता है। लेकिन मुझे लगता है कि एमसीजी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए एक बेहतरीन जगह हो सकती है। भारत के पूर्व मुख्य कोच ने कहा, अहमदाबाद WTC फाइनल के लिए एक बेहतरीन जगह हो सकती है। मूल रूप से, ऐसी जगहें जहां आप भीड़ जुटा सकते हैं। क्योंकि लॉर्ड्स 100,000 सीटों वाला स्टेडियम नहीं है। इसलिए चाहे कोई भी टीम खेल रही हो, आपको पता है कि आपको अच्छी भीड़ मिलेगी। हाल की रिपोर्टों ने सुझाव दिया है कि इंग्लैंड अगले दो चक्रों में भी WTC फाइनल का घर हो सकता है जिसका फाइनल 2029 और 2031 में होना तय है। ICC के फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम के अनुसार 2027 WTC फाइनल भी लॉर्ड्स में आयोजित किया जाना तय किया गया है। WTC 2027 की मेजबानी के लिए BCCI की बोली को हाल ही में खारिज कर दिया गया था, क्योंकि तटस्थ टेस्ट को लगातार समर्थन देने के लिए इंग्लैंड को तरजीह दी गई थी।

बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपनः

तन्वी और आयुष ने उलटफेर के साथ किया फाइनल में प्रवेश

काउंसिल ब्लफ्स, एजेंसी। बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को मात दी। उनके अलावा 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-6 खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को शिकस्त देकर अपने करियर के सबसे बड़े फाइनल में जगह बना ली है। दोनों ही खिलाड़ी बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन के अपने-अपने फाइनल में पहुंच गए हैं।

महिला सिंगल इवेंट में तन्वी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-40 खिलाड़ी बुहरोवा को 21-14, 21-16 से हराकर मुकाबले को 34 मिनट में अपने नाम कर लिया। वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-66 तन्वी शर्मा ने मई में डेनमार्क चैलेंज जीता था। वह पिछले साल ओडिशा मास्टर्स में सुपर 100 फाइनल में पहुंची थीं। बाई ने अपने एक्स पोस्ट में तन्वी की तारीफ करते हुए लिखा, वह जाल बिछाती हैं, और उसमें सबसे बेहतरीन भी फंस जाते हैं। हमारी टीन टाइटन समझदार, होशियार, साहसी हैं। वह सधे हुए शॉट्स और बेखौफ खेल से हर रैली में दिल जीत रही हैं!

गुवाहाटी में बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग लेने वाली तन्वी अब समिट क्लैश में चीन की विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी बेइवेन झांग से भिड़ेंगी। वहीं, दूसरी ओर विश्व में 34वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने ताइपे ओपन 2025 के सेमीफाइनल में चोउ से मिली हार का बदला चुकता किया। पहले गेम में मिली करीबी हार के बाद उन्होंने चोउ को 21-23, 21-15, 21-14 से हराया। अब फाइनल में शेट्टी का सामना ब्रायन यांग से होगा, जिन्होंने लियाओ झूओ फू पर 21-10, 21-12 से आसान जीत दर्ज की है। शेट्टी की नजरें अपने पहले वर्ल्ड टूर खिताब जीतने पर होंगी, क्योंकि यांग पर उनका रिकॉर्ड 2-0 है। बीडब्ल्यूएफ ने एक्स पर लिखा, 16 वर्षीय तन्वी शर्मा और 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन-2025 के सेमीफाइनल में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इससे पहले, तन्वी ने क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पिचामोन ओपटनीपुथ को सीधे गेम में 21-18, 21-16 से हराया था, जो दुनिया की 58वें नंबर की खिलाड़ी हैं। वह 2023 की जूनियर विश्व चैंपियन भी हैं।

दूसरी ओर, आयुष ने पुरुष एकल के राउंड ऑफ 16 में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली पर 21-12, 13-21, 21-15 से कड़ी टक्कर में दर्ज की, जो दुनिया में 54वें नंबर के खिलाड़ी हैं।

मैं खाली मैदान को निहारता रहा लेकिन...

रोहित शर्मा ने सुनाया टी-20 वर्ल्डकप जीत का किस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। 29 जून 2024 को भारत ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर 11 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतने का सपना पूरा किया था. अब इस महाजीत के ठीक एक साल बाद रोहित शर्मा ने उस ऐतिहासिक जीत से पहले की भावनाओं और दबाव को लेकर अपने दिल की बात साझा की है. रोहित बोले - मैं रात भर सो नहीं सका रोहित शर्मा ने कहा कि तेरह साल लंबा समय होता है.

कई खिलाड़ियों का तो इतना लंबा करियर भी नहीं होता. मैंने पिछली बार 2007 में वर्ल्ड कप जीता था. इसलिए मेरे लिए इससे बड़ा कुछ हो ही नहीं सकता था. मैं रातभर सो नहीं पाया. बस वर्ल्ड कप के बारे में ही सोचता रहा. मैं इतना नर्वस था कि मेरे पैरों में जान नहीं थी. अंदर से बहुत कुछ चल रहा था, हालांकि मैं बाहर नहीं दिखाता. हमें सुबह 8:30 या 9 बजे निकलना था, लेकिन मैं 7 बजे उठ गया. रोहित शर्मा ने कहा कि मेरे कमरे से मैदान दिख रहा था और मैं बस उसे निहारता रहा. मैंने खुद से कहा, दो घंटे में मैं वहां खेल रहा होऊंगा, और चार घंटे में सब कुछ तय हो जाएगा. या तो कप हमारे पास होगाया नहीं.

ऐसा लग रहा था कि गेंद छक्के के लिए जा रही है, लेकिन तभी सूर्या हवा में उड़े और कैच पकड़ लिया. हवा भी गेंद को थोड़ा पीछे खींच लाई होगी. थर्ड अंपायर का फैसला आने तक सबकी सांसें रुकी थीं.

बता दें कि भारत की जीत के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टी-20 से संन्यास की घोषणा की. कोहली को फाइनल में शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया था. तीनों खिलाड़ियों ने इस ऐतिहासिक जीत के साथ इस प्रारूप को अलविदा कहा.

भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पडा

2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था. ऐसे में रोहित शर्मा पर वर्ल्ड कप जीतने का ज़बरदस्त दबाव था. 38 वर्षीय रोहित के लिए यह कप्तान के तौर पर पहली ICC ट्रॉफी थी. वह 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं. 2024 के इस वो कैच मैच का टर्निंग पॉइंट था : रोहित शर्मा फाइनल में हेनरिक क्लासेन ने 23 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत की मुश्किलें बढ़ा दी थीं. आखिरी पांच ओवरों में दक्षिण अफ्रीका को सिर्फ 30 रन चाहिए थे और डेविड मिलर क्रीज़ पर मौजूद थे. तभी सूर्यकुमार यादव ने लंबी सीमा रेखा पर एक हैरतअंगेज़ कैच लेकर मिलर को आउट किया और भारत को वापसी का मौका मिला. रोहित ने कहा कि मैं लॉन्ग ऑन पर था और वो कैचज सच कहूं तो वही मैच का पल था.

मन की बात देश की आत्मा से जुड़ाव का माध्यम, प्रेरणा, दिशा और विश्वास का स्त्रोत : उप मुख्यमंत्री

रीवा में प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात का किया श्रवण

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि 'मन की बात' सिर्फ संवाद नहीं, यह देश की आत्मा से जुड़ाव का माध्यम है – प्रेरणा, दिशा और विश्वास का स्त्रोत है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायक होता है। 'मन की बात' की 123वीं कड़ी ने जन-मन में नई ऊर्जा का संचार किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के स्वास्थ्य क्षेत्र की ऐतिहासिक उपलब्धियों, योग और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों के साथ-साथ आपातकाल की विभीषिका को भी याद किया। आपातकाल का दौर लोकतंत्र के लिए एक काली रात था, जिसे देशवासियों ने अपने साहस और दृढ़ संकल्प से समाप्त किया। यह हमारी लोकतांत्रिक चेतना की अमिट मिसाल है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के बूथ क्रमांक 111 स्थित निवास में प्रधानमंत्री श्री मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम

मन की बात का श्रवण किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश की बेटी बालाघाट की सुश्री सुमा उइके, जिन्होंने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मशरूम उत्पादन, पशुपालन और 'दीदी कैंटीन' जैसे उद्यमों से आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की। सुश्री सुमा उइके का उल्लेख प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। साथ ही यह अन्य महिलाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भारत का 'ट्रेकोमा मुक्त' घोषित होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह न केवल हमारे स्वास्थ्य कर्मियों की सतत मेहनत का परिणाम है। यह 'स्वच्छ भारत अभियान' और 'जल जीवन मिशन' की सामूहिक सफलता का भी परिचायक है। यह जनसहभागिता आधारित स्वास्थ्य सुधार मॉडल का उत्कृष्ट उदाहरण है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 'फिटनेस के लिए 10 प्रतिशत तेल कम' जैसे छोटे लेकिन प्रभावशाली सुझाव हर घर को स्वस्थ जीवनशैली की ओर ले जाने का सरल मंत्र हैं। फिटनेस और वेलबीइंग के लिए यह सतर्कता, न केवल व्यक्ति बल्कि पूरे राष्ट्र को सशक्त बनाती है। 'योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' की भावना को वैश्विक मंच पर जिस गरिमा से प्रस्तुत किया गया, वह भारत की प्राचीन जीवन पद्धति की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। 10 वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विस्तार, लाखों लोगों की सहभागिता और विशाखापत्तनम से हिमालय तक की प्रेरक झलकियाँ, भारत की 'जनभागीदारी से जनस्वास्थ्य' की दिशा में अद्वितीय यात्रा को दर्शाती हैं।

खेल पुरस्कार 2025 हेतु आवेदन आमंत्रित

रीवा। एकलव्य, विक्रम, विश्वामित्र, प्रभाष जोशी एवं लाइफटाईम एचीवमेंट पुरस्कार हेतु आनलाइन आवेदन 31 जुलाई तक आमंत्रित किये गये है। पुरस्कार खेल और युवा कल्याण विभाग के अनुसार विगत 5 वर्षों में अर्जित खेल उपलब्धियों के आधार पर पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। साहसिक खेल (समुद्र, जमीन एवं वायु आधारित) हेतु भी विक्रम एकलव्य पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी एम.के. धौलपुरी ने बताया कि पुरस्कार हेतु पात्रता, पुरस्कार राशि व अन्य शर्त विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदक विभागीय बेवसाइट पर दी गई लिंक से या सीधे प्ले स्टोर से खेल और युवा कल्याण के भी आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जिले में 1052154 हितग्राहियों का ई केवाईसी हुआ अपडेट

रीवा। खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित सभी हितग्राहियों के ई केवाईसी अपडेशन का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने बताया कि जिले में खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित परिवारों के 11 लाख 99 हजार 962 सदस्य राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज हैं। इनमें से 30610 अपात्र तथा मृत हितग्राहियों के नाम एम राशन मित्र पोर्टल से हटाने की कार्यवाही ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों द्वारा पूरी कर ली गयी है। अब तक 1052154 सदस्यों की ईकेवाईसी अपडेशन का कार्य किया जा चुका है। शेष बचे हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेशन का कार्य 30 जून तक पूरा कर लिया जाएगा। ई केवाईसी कराने के लिए उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन पीओएस मशीन के माध्यम से हितग्राहियों का ई केवाईसी अपडेट कर रहे हैं। ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक और नगरीय क्षेत्रों में वार्ड प्रभारी भी ई केवाईसी अपडेट कर रहे हैं। एप के माध्यम से हितग्राही को स्वयं ई केवाईसी दर्ज कराने की भी सुविधा दी गई है। इसके अलावा कॉमन सर्विस सेंटर तथा मोबाइल ऐप में भी ई केवाईसी अपडेशन की सुविधा उपलब्ध है। जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने बताया कि 28 जून तक जिले में 10 लाख 52 हजार 154 हितग्राहियों की ई केवाईसी की जा चुकी है। यह कुल हितग्राहियों का 87.70 प्रतिशत है। जिसमें जनपद पंचायत गंगेव में 135374, जवा में 130443, रायपुर कर्चुलियान में 168350, रीवा में 169177, सिरमौर में 182590, त्योंथर में 124407 हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेट की जा चुकी है। नगरीय निकायों में नगर निगम रीवा में 68848, नगर परिषद डभौरा में 13376, बैकुण्ठपुर में 6078, चाकघाट में 5792, गोविंदगढ़ में 7149, गुढ़ में 9072, मनगवां में 7368, सेमरिया में 8700, नगर परिषद सिरमौर में 5939 तथा नगर परिषद त्योंथर में 9491 हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेट की जा चुकी है।

टी.एल. बैठक आज

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में 30 जून को आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल द्वारा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की जायेगी। बैठक सुबह 11 बजे से आरंभ होगी। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

गौमाता पवित्रता की पराकाष्ठा है : उप मुख्यमंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि गौमाता पवित्रता की पराकाष्ठा है। गौमाता की कृपा से ही सभी मनोरथ और संकल्प पूर्ण होते हैं। एक भी गौमाता बेसहारा नहीं रहेंगी। उप मुख्यमंत्री ने मनगवां विधानसभा अन्तर्गत हिनौती गौधाम में दो करोड़ 67 लाख रुपए की लागत से बनाए जाने वाले 4 गौवंश संरक्षण शेड का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सहित अन्य अतिथियों ने गौपूजन कर गायों को गुड़ और चना खिलाया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गौ माता की रक्षा से सृष्टि की रक्षा होती है। भारत माता की जय से पहले गौमाता की जय है। उन्होंने कहा कि खेती के साथ-साथ गौमाता को भी बचाना आवश्यक है। हिनौती गौधाम में आने वाले समय में 60 शेड बनाकर लगभग 50 हजार गौवंशों का संरक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रीवा जिले में गौ अभ्यारण्यों की स्थापना गौमाता की संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयास हैं। हिनौती गौधाम में विकास के नए अवसर खुलेंगे और यह आर्थिक रूप से समृद्धशाली गौशाला होगी। दिल से की गई गौ सेवा से ही मानव जाति का कल्याण होगा। उन्होंने हिनौती गौधाम के विकास के लिए स्थानीय जन समुदाय द्वारा दिए गए भूमिदान व अन्य सहयोग की प्रशंसा की तथा कहा कि जन भागीदारी से ही यह पुनीत कार्य और आगे बढ़ेंगे। उन्होंने गौधाम के विकास के लिए विधायक मनगवां द्वारा किए जा रहे कार्य की भी प्रशंसा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गौधाम में चारागाह की व्यवस्था के साथ ही वृक्षारोपण सहित अन्य विकास के कार्य सतत रूप से संचालित होते रहेंगे और प्रतिमाह किसी न किसी कार्य का भूमिपूजन या लोकार्पण होता रहेगा।

कार्यक्रम में अपने आशिर्वचन में अयोध्या से पधारे जगतगुरू श्री राघवाचार्य जी ने कहा कि गौमाता की सुख-शांति से ही धरती पर सुख-शांति स्थापित होती है। गाय विश्व की आयु, शक्ति और सम्पत्ति है। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल सामाजिक विकास के साथ आध्यात्मिक विकास भी कर रहे हैं और गौमाता की कृपा से ही उनके सभी संकल्प मनोरथ पूर्ण हो रहे हैं। जगतगुरू ने कहा कि गौधाम की स्थापना से इस अंचल में सुख और समृद्धि का विकास होगा। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती नीता कोल ने उप मुख्यमंत्री जी द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की चर्चा की।

संभागीय सतर्कता समिति में होगी एक सदस्य की नियुक्ति

रीवा। लोकायुक्त पुलिस विभाग में संभागीय सतर्कता समिति गठित है। समिति में शासन द्वारा निर्धारित तीन पदों में से दो पद भरे हुए हैं। समिति में रिक्त एक पद को भरे जाने की कार्यवाही की जा रही है। शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय वन सेवा अथवा भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इन सेवाओं के समकक्ष अन्य सेवाओं के प्रतिष्ठित क्षेत्र के भी सेवानिवृत्त व्यक्ति इसके लिए पात्र होंगे। इच्छुक सेवानिवृत्त अधिकारी अपना बायोडाटा जिला विशेष शाखा रीवा में प्रस्तुत कर सकते हैं।

श्री विधि से धान की रोपाई किसानों के लिये वरदान

रीवा

जिले में काफी बड़े क्षेत्र में धान की खेती की जाती है। अधिकतर किसान रोपा विधि से धान लगाते हैं। इसकी तुलना में मेडागास्कर विधि जिसे एस.आर.आई. श्री विधि कहा जाता है, से धान लगाना अधिक लाभकारी है। इसमें कम पानी, कम बीज और बिना खरपतवार के धान का अच्छा उत्पादन होता है। परम्परागत विधि से किसान को प्रति हेक्टेयर 20 से 25 क्विंटल धान की उपज मिलती है। इसकी तुलना में श्री विधि से धान लगाने पर प्रति हेक्टेयर 35 से 50 धक्कटल धान का उत्पादन होता है। उप संचालक यूपी बागरी कृषि ने किसानों से धान रोपण के लिये श्री विधि अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह तकनीक किसानों के लिये वरदान है।

उप संचालक यूपी बागरी ने बताया कि श्री विधि से प्रति हेक्टेयर केवल 6 से 8 किलो बीज की जरूरत होती है। इसे विशेष तरह की प्लेट अथवा पॉलीथीन में नर्सरी लगाकर तैयार किया जाता है। इसमें भुरभुरी मिट्टी तथा राख का होना आवश्यक है। इसके लिये 10 मीटर लम्बी तथा 5 से.मी. ऊंची क्यारी बनायें। इसमें 50 किलो नाडेप अथवा गोबर की खाद मिलाकर बीजों की बोनी करें। बोनी से पहले बीजों को थाईरम दवा से उपचारित करें। प्रत्येक क्यारी में 120 ग्राम बीज की बोनी करें। इन्हें ढंककर हल्की सिंचाई करें। धान रोपित करने के लिये खेत को गहरी जुताई करके उसके खरपतवार नष्ट करें। खेत में पर्याप्त पानी देकर रोपाई के लिये खेत तैयार करें। इसमें नर्सरी में तैयार धान के 15 से 21 दिन के पौधे रोपित करें। तैयार खेत में मार्कर हल की सहायता से 20-20 से.मी. दूरी पर निशान बनायें। इन निशानों पर धान का केवल एक पौधा रोपित करें। उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि पौधे से पौधे तथा कतार से कतार की दूरी 2 से.मी. रखें। पौधों के बीच में पर्याप्त अंतर होने पर उन्हें पर्याप्त हवा तथा नमी प्राप्त होगी। कतार में पर्याप्त दूरी रहने पर खरपतवार होने की स्थिति में कोनावीडर की सहायता से इन्हें आसानी से निकालकर खाद बनायी जा सकती है। मृदा हेल्थ कार्ड में खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों के अनुसार खाद का उपयोग करें। इसमें गोबर की खाद नाडेप तथा वर्मी खाद का अधिक उपयोग करें। धान रोपित करने के 15 दिन बाद कम मात्रा में यूरिया का छिड़काव किया जा सकता है। श्री विधि से धान लगाने पर खेत में पानी भरने की जरूरत नही होती है। लेकिन खेत में नमी बनी रहे इसकी व्यवस्था करें। जिस समय धान के पौधो में वृद्धि हो रही हो उस समय खेत को 2 से 3 दिनों के लिये सूखा छोड़ देना चाहिये। इसके बाद पुनः हल्की सिंचाई करके खेत को नम करना चाहिये। इस विधि से किसान 35 से 50 धक्कटल तक धान प्राप्त कर सकते हैं। इसके संबंध में किसान कृषि विस्तार अधिकारी से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

उप मुख्यमंत्री पतंजलि योग समिति की राज्य कार्यकारिणी बैठक में हुए सम्मिलित

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने आज उर्रहट रीवा में भारत स्वाभिमान न्यास, पतंजलि योग समिति की राज्य कार्यकारिणी बैठक में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने स्वस्थ भारत, स्वच्छ भारत एवं समृद्ध भारत बनाने हेतु अपने विचार साझा किए एवं समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, समिति से जुड़े प्रबुद्धजन एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

टी.आर.एस. कॉलेज के समाज कार्य विभाग में भावनात्मक फेयरवेल समारोह

सीनियर छात्रों को दी गई विदाई

रीवा। टी.आर.एस. कॉलेज के समाज कार्य विभाग में एक भावनात्मक और गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के निर्देशन में किया गया। यह आयोजन एम.एस.डब्ल्यू द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों द्वारा अपने सीनियर चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के सम्मान एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान मोरल स्टोरी, भाषण, कविताएं, भविष्य पथ निर्माण जैसे रचनात्मक एवं

प्रेरणादायी प्रस्तुतियाँ हुईं। द्वितीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने अपने सीनियर्स के प्रति कृतज्ञता, स्नेह और सम्मान को केवल शब्दों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन अनमोल क्षणों को, जो साथ बिताए गए थे, मुस्कानों और आत्मीय संवादों से भरे, फोटो रूपी स्मृतिचिह्नों में संजो लिया। इन चित्रों को फ्रेम कराकर उपहार स्वरूप देना मात्र एक औपचारिकता नहीं थी, बल्कि वह स्नेह-संबंधों की एक अमर धरोहर थी, जिसे समय के साथ भी न मिटाया जा सके। समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अखिलेश शुक्ल ने अत्यंत भावुक होकर विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, आज का यह अवसर केवल एक शैक्षणिक विदाई नहीं, बल्कि हमारे संबंधों की स्मृतियों में अमिट छवि छोड़ने वाला क्षण है। विदाई तो केवल एक औपचारिकता है, लेकिन छात्रों की यादें सदैव शिक्षकों के हृदय में जीवित रहती हैं। आप सभी हमारी धड़कनों में बसे हुए हैं। आपने विभाग को अपनी ऊर्जा, मुस्कान और प्रतिभा से जीवंत बनाए रखा। जब आप पहली बार आए थे तो संकोच से भरे थे, और आज आप आत्मविश्वास से भरे हुए विदा हो रहे हैं, यही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। डॉ. महानन्द द्विवेदी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा, प्रिय छात्रों, जीवन एक पाठशाला है, जिसमें हर दिन एक नया अध्याय होता है। अब आप लोग जीवन के नये पथ पर अग्रसर हो रहे हैं। यह वाक्य मानो एक दीपशिखा है, जो विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को आलोकित करता है।

सर्पदंश से घबराएं नहीं - एक घंटे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं : डॉ शुक्ला

रीवा। वर्तमान में बारिश होने के साथ वातावरण में लगातार तापमान अधिक रहता है। साँप तथा अन्य जीव-जंतुओं के छिपने के स्थानों में पानी भर जाने के कारण उनका सतह पर विचरण शुरू हो जाता है। इसलिए बारिश में साँप एवं अन्य जहरीले जंतुओं के काटने की घटनाएं होती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने आमजनता को सर्पदंश से बचाव तथा उपचार की सलाह दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि विन्ध्य क्षेत्र में प्रमुख रूप से तीन जहरीले सांपों, करैत, रसेल वाइपर तथा कोबरा के काटने के कारण मौत

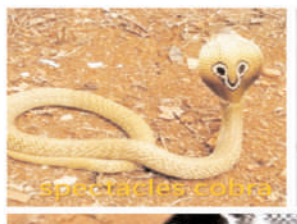

की घटनाएं होती हैं। साँप काटने के बाद एक घण्टे की अवधि में सही उपचार होने पर पीड़ित की जान आसानी से बचाई जा सकती है। साँप काटने के तत्काल बाद निकट के अस्पताल जाकर एक घण्टे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं। यह इंजेक्शन रीवा जिले के सभी विकासखण्डों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला अस्पताल में उपलब्ध है। समय पर इंजेक्शन लगने पर जान का खतरा समाप्त हो जाता है।

डॉ शुक्ला ने कहा है कि साँप काटने के स्थान पर तीखी जलन होती है। पीड़ित को अवसाद, उल्टी आना, लकवा तथा आँख की पुतलियों के फैल जाने के लक्षण दिखाई देते हैं। विष का प्रकोप होने के बाद पीड़ित में माँसपेसियों में ऐंठन और चेतनाहीनता हो जाती है। इसके बाद साँस रूकने से मौत हो जाती है। विष का सर्वाधिक असर तंत्रिका तंत्र और साँस लेने में होता है। कई बार साँप के काटने के स्थान पर सूजन आ जाती है तथा काटा हुआ स्थान काला पड़ जाता है। साँप काटने के बाद हाथ पैरों में झनझनाहट, चक्कर आना, पसीना छूटना, दम घुटना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। सर्पदंश के बाद तत्काल अस्पताल जाकर पीड़ित का उपचार कराएं। झोलाछाप डाक्टरों तथा झाड़फूक करने वालों के चक्कर में पड़कर समय न गवाएं। सर्पदंश से पीड़ित के काटने के स्थान से थोड़ा ऊपर हल्की पट्टी बांधे। काटने के स्थान पर चीरा भी न लगाएं इससे संक्रमण का खतरा रहता है। डॉ शुक्ला ने कहा है कि सर्पदंश तथा अन्य जहरीले कीड़ों के काटने से बचने के लिए कुएं, अंधेरे गड्ढे, झाड़ियों आदि में हाथ न डालें। घर से बाहर निकलते समय जूते अवश्य पहनें। ठंडे, अंधेरे और नम स्थानों में साँप छिपते हैं, ऐसे स्थानों में जाने से बचें। सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

जिले में अब तक 85.5 मिली मीटर वर्षा दर्ज

रीवा। जिले में मानसून ने दस्तक दे दी है। जिले में एक जून से अब तक 85.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि अब तक तहसील हुजूर में 103.7 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 41.5 मिलीमीटर, गुढ़ में 105 मिलीमीटर, सिरमौर में 141.6 मिलीमीटर, त्योंथर में 38 मिलीमीटर, सेमरिया में 118 मिलीमीटर, मनगवां में 62 मिलीमीटर तथा जवा में 74 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज गयी। गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 16.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी थी। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1044.6 मिलीमीटर है।

काउसिंलिंग कोड 608
श्री रामकृष्ण
कालेज आफ फार्मेसी
पीसीआई/9649 द्वारा अनुमोदित, आरजीपीवी भोपाल द्वारा सबद्ध
डी.फार्मा
रजिस्ट्रेशन के लिए तुरंत संपर्क करें

पता :-ग्राम देवरा, गुरुकुल स्कूल के पास, चोरहटा, रीवा (म.प्र.)
मो.: 9584324641, 6262084843, 7470944611

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प
अक्षय जल, सुरक्षित कल

जल गंगा संवर्धन अभियान

समापन समारोह
एवं
वॉटरशेड सम्मेलन

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री

30 जून, 2025 । दोपहर 12 बजे
मंडी प्रांगण, खण्डवा, मध्यप्रदेश

'जल की हर बूंद में आने वाले कल का भविष्य छिपा है। इसलिए इस अमूल्य धरोहर की किसी भी मूल्य पर रक्षा करना हमारा दायित्व है।'

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जल संरक्षण का 'जन संकल्प'

जल संचय में वृद्धि

- ₹2048 करोड़ लागत के 83 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण पूर्ण, जिससे खेत का पानी खेत में सिंचित होगा
- ₹254 करोड़ लागत से 1 लाख से अधिक कूप रीचार्ज
- अमृत सरोवर 2.0 के तहत ₹ 354 करोड़ लागत से 1 हजार से अधिक नए अमृत सरोवरों का निर्माण
- शहरी क्षेत्रों में 3300 से अधिक जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, 2200 नालों की सफाई एवं 4000 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण पूर्ण

जनभागीदारी

- 40 लाख लोगों की भागीदारी से 5 हजार से अधिक जल स्त्रोतों का हुआ जीर्णोद्धार
- My Bharat पोर्टल के माध्यम से 2.30 लाख से अधिक जलदूत बनाए गए
- ग्रामीण क्षेत्रों में पानी चौपाल का आयोजन

तकनीकी नवाचार

- GIS आधारित SIPRI सॉफ्टवेयर के उपयोग से जल स्त्रोतों का चयन एवं AI आधारित मॉनिटरिंग की गई
- नर्मदा परिक्रमा पथ एवं अन्य तीर्थ मार्गों के डिजिटलीकरण के जरिए श्रद्धालुओं की सुविधाओं का रखा जा सकेगा ख्याल

पर्यावरणीय एवं कृषि प्रभाव

- 57 प्रमुख नदियों में मिलने वाले 194 से अधिक नालों का चिह्नांकन एवं उनके शोधन के लिए योजना तैयार
- जैव विविधता संरक्षण हेतु घड़ियाल और कछुओं का किया गया जलावतरण
- 145 नदियों के उद्गम क्षेत्रों को चिन्हित कर हरित विकास हेतु योजना तैयार
- अविरल निर्मल नर्मदा योजना में 5600 हेक्टेयर में पौधरोपण प्रारंभ
- वन्य जीवों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु 2500 से अधिक तालाब, स्टॉप डैम का निर्माण
- पौधरोपण हेतु लगभग 6 करोड़ पौधों की नर्सरी विकसित

वॉटरशेड हेतु कार्य

- ₹1200 करोड़ लागत की 91 वॉटरशेड परियोजनाएं स्वीकृत, 5.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को मिलेगी सिंचाई सुविधा
- 9000 से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं के जरिए किसानों को 1 वर्ष में दो से तीन फसलों का मिल रहा लाभ

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

#जल_गंगा_संवर्धन_अभियान_MP

D-11056/25

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833